सी.एस.एन. पी.जी. कॉलेज़, हरदोई

प्रवेश विवरणिका

सत्र 2023–24

website- www.csnhardoi.in

Email- csnpgcollegehardoi@gmail.com

सम्पर्क–सूत्र 05852-220042

प्राचार्य महोदय–मो0 नं0 9415195598 प्रवेश संयोजक मो0 नं0 9450286875

(फोन करने का समय प्रातः 9:00 से सायं 6:00 बजे तक)

अभ्यर्थी को आवेदन करने से पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की वेबसाइट पर जाकर LURN प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

महाविद्यालय परिसर

अभ्यर्थी को आवेदन करने से पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की वेबसाइट पर जाकर LURN प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

स्नातक एवं परास्नातक का प्रवेश कार्यक्रम

Programme of U.G. & P.G. Admission

Session: 2023-24

Starting of Application form (UG &PG)	**28-04-2023**
Closing Date of Application form	**31-05-2023**
Entrance Test Date	**Last Week of June 2023**
Declaration of Result	**First Week of July 2023**
Counselling Phase I	**12-07-2023**
Counselling Phase II	**18-07-2023**

Registration Fee Rs. 100

Entrance Test Fee Rs.300

अभ्यर्थी को आवेदन करने से पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की वेबसाइट पर जाकर LURN प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

Scanned with CamScanner

महाविद्यालय के संस्थापक स्व0 बाबू मोहन लाल वर्मा

जन्म 12 अक्टूबर 1912, परिनिर्वाण 09 जनवरी 1979

प्राधिकृत नियंत्रक महोदय

मंगला प्रसाद सिंह आई.ए.एस.
जिलाधिकारी

अ.शा.प.सं. :
जिलाधिकारी
हरदोई (उ०प्र०)
: 05852-234537 (O)
: 05852-234680 (R)
फैक्स : 05852-234868
ई–मेल : dmhar@nic.in

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई सत्र 2023–24 हेतु प्रवेश विवरणिका को ऑन–लाइन प्रकाशित कर रहा है।

प्रवेश विवरणिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन तथा महाविद्यालय की सफल उपलब्धियॉ विद्यार्थियों के लिये प्रेरक होगी। प्रवेश विवरणिका विद्यार्थियों को अपनी रूचि, योग्यता के अनुसार पाठ्यक्रम चुनने में मदद करेगी साथ ही उनकी प्रवेश सम्बन्धी कठिनाईयों का निवारण करेगी।

मैं प्रवेश विवरणिका के सफल प्रकाशन एवं प्रवेश प्रक्रिया में लगे समस्त शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा महाविद्यालय के प्राचार्य को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कर रहा हूँ।

जिलाधिकारी, हरदोई।

प्रभारी अधिकारी महोदय

प्रशान्त तिवारी
(पी.सी.एस.)
नगर मजिस्ट्रेट, हरदोई।

(कार्यालय) 05852–233704
(मोबाइल) 9454416598
ई–मेल citymagistratehardoi@gmail.com

दिनांक : 21/04/2023

शुभकामना सन्देश

हर्ष का विषय है कि केन सोसायटीज़ नेहरू महाविद्यालय, हरदोई नवीन सत्र 2023–24 के लिये अपनी ऑन–लाइन प्रवेश विवरणिका प्रकाशित करने जा रहा है। मुझे विश्वास है कि महाविद्यालय की विवरणिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप छात्र/छात्राओं का मार्गदर्शन करने एवं उन्हें उनके जीवन में आने वाली समस्याओं से परिचित कराकर, भविष्य निर्माण हेतु उचित पाठ्यक्रम चयन में मदद करेगी।

मैं महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु अपनी शुभकामना प्रेषित करता हूँ

नगर मजिस्ट्रेट हरदोई

प्राचार्य की कलम से ....

आदिमानव संस्कृति से मानव संस्कृति के निर्माण, परिवर्तन, विकास में शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। उच्च शिक्षा के माध्यम से मानव साहित्यिक, तकनीकी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपना कर जैव–जगत की सेवा के साथ विकास पथ पर अग्रसर है। किसी भी देश के सर्वांगीण विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। मनुष्य का ज्ञान सबसे बड़ा संसाधन है। ज्ञानरूपी संसाधन के माध्यम से प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का समुचित उपयोग कर राष्ट्र के सशक्त निर्माण में योगदान देना विद्यार्थियों का परम कर्तव्य है । प्राचीन काल में भारत में तक्षशिला, नालन्दा, विक्रमशिला उच्च शिक्षा के प्रमख केन्द्र थे। आजादी के बाद भारत ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों, डीम्ड विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों की स्थापना को प्रमुखता दी है। इसी क्रम में 10 अक्टूबर, 1965 को केन सोसायटीज़ नेहरू महाविद्यालय, हरदोई की स्थापना होती है।

विगत 59 वर्षो से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफल गाथा लिखते हुये महाविद्यालय धर्म, जाति, भाषा, वर्ग, लिंग से परे जनपद के सभी अंचलों से आने वाले छात्र/छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिये शिक्षणेतर कार्यकलापों, एन.सी.सी., एन.एस.एस, रोवर्स/रेन्जर्स, खेल प्रतियोगिता, वैचारिक संगोष्ठी के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व, प्रेम बन्धुता, राष्ट्रप्रेम की भावना को अनवरत बढ़ा रहा है। महाविद्यालय ने लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के निर्देशानुसार शिक्षा को अधिक व्यवहारिक, सम्पूर्णता, एकीकरण, खोजपरक, अधिगम–अभिकेन्द्रित, परिचर्चा आधारित एवं आनन्दमय बनाने के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) को पूर्णता लागू किया है। नई शिक्षा नीति संकाय/विभाग के जटिल बन्धनों को तोड़कर विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों की शिक्षा एक साथ लेने के लिये मुक्त वातावरण प्रदान करती है। साथ ही लोगों को शिक्षा पूर्ण करने के लिये अवसर प्रदान करती है।

अपने स्थापना काल से लेकर आज तक उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्वर्णिम गाथा लिखते हुये महाविद्यालय एक बार फिर नये सत्र में विद्यार्थियों का स्वागत करने के लिये तैयार है। प्रवेश प्रक्रिया, विषय आवंटन की शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिये महाविद्यालय दूसरी बार प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश लेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी लोग सहयोग करेंगे।

मैं सभी भावी विद्यार्थियों को विश्वास दिलाता हूँ कि विगत् वर्षो की भॉति हम सर्वोत्तम शिक्षण के लिये प्रतिबद्ध हैं। यह सब आप लोगों के सहयोग के बिना सम्भव नहीं है। 59 वर्ष पुराने इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय के प्राचार्य के तौर पर महाविद्यालय में आपके प्रवेश लेने के निर्णय का मैं हृदय से स्वागत करता हूँ और मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

प्रोफेसर कौशलेन्द्र कुमार सिंह

महाविद्यालय का परिचय

केन सोसायटीज़ नेहरू महाविद्यालय, हरदोई जनपद में कला संकाय का प्रतिष्ठित परास्नातक महाविद्यालय है। इसकी स्थापना स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी **स्व0 मोहन लाल वर्मा जी** के सतत् प्रयासों से **10 अक्टूबर 1965** में की गई थी। महाविद्यालय की स्थापना में जिले की दो गन्ना समितियों **केन ग्रोवर्स को–ऑपरेटिव सोसाइटी लि0 एवं को–ऑपरेटिव केन डेवलपमेण्ट यूनियन लिमिटेड** का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्थापना के प्रारम्भिक वर्षों, में महाविद्यालय जिला चिकित्सालय के सम्मुख दो मंजिला भवन में शिक्षण कार्य करते हुए, तत्कालीन प्रबन्ध कार्यकारिणी एवं प्राचार्य के भगीरथ प्रयास से 1972 में महाविद्यालय लखनऊ चुंगी के निकट 11.778 एकड़ के दीर्घ परिसर में नव निर्मित भवन में स्थानान्तरित हुआ। 14 फरवरी 1978 से यह संस्था प्राधिकृत नियंत्रक के रूप में जिलाधिकारी हरदोई के संरक्षण में क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने में अनवरत् प्रयासरत् है।

महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य धर्म, जाति, वर्ग, भाषा एवं लिंग से परे जनपद के सभी अंचलो से आने वाले छात्र/छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ उनके सर्वांगीण विकास हेतु अनुकूल वातावरण के सृजन के लिए शिक्षणेत्र कार्यकलापों, एन.सी.सी., एन.एस.एस., रोवर्स/रेंजर्स, खेल प्रतियोगिता वैचारिक संगोष्ठी के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व, प्रेम, बंधुता, राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करना है।

वर्तमान समय में महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 को लागू करते हुए स्नातक के विषयों (हिन्दी साहित्य, हिन्दी भाषा, अंग्रेजी साहित्य, अंग्रेजी भाषा, संस्कृत, समाजशास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान) एवं परास्नातक के 6 विषयों (हिन्दी, संस्कृत, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र) में शिक्षण कार्य, नियमित रूप से संचालित हो रहा है। हरदोई जनपद में शोध कार्य के लिए केन सोसायटीज़ नेहरू महाविद्यालय, एक मात्र संस्था है जो 6 विषयों (हिन्दी, संस्कृत, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र) में शोध कार्य करने का निरन्तर अवसर प्रदान कर रहा है।

वर्तमान सत्र 2023–24 में महाविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत बी.काम. एवं बी.बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रारम्भ हो रहे हैं।

महाविद्यालय की उपलब्धियॉं

महाविद्यालय अपने स्थापना वर्ष से लेकर आज तक शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक क्षेत्र में नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। महाविद्यालय के विद्यार्थी, सिविल सेवा, उच्च शिक्षा, माध्यमिक, प्राथमिक शिक्षा, सेवा, पुलिस सेवा, राजस्व सेवा, समाजसेवा व राजनीति आदि क्षेत्रों में अपना प्रमुख योगदान दे रहे हैं। अभी हाल के वर्षों में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। महाविद्यालय अपने गैर शैक्षणिक कार्यक्रम एन.सी.सी., एन.एस.एस., रोवर्स–रेंजर्स, खेल प्रतियोगिता के माध्यम से सामाजिक समरसता, प्रेम, बंधुत्व, पर्यावरण संरक्षण , साफ–सफाई, जनजागरूकता को बढ़ावा दे रहा है।

❖ **महाविद्यालय के दिसम्बर, 2022 की नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा उत्तीर्ण छात्र/छात्रायें**

Name	Subject
01. Neelu Gupta	Hindi
02. Mithilesh Kumar	Hindi
03. Anjali Sharma	Hindi
04. Vipin Rathaur	Geography
05. Anuj rathuar	Geography
06. Yogesh Kumar	Geography
07. Harsh Gupta	Geography
08. Anurag Verma	Geography
09. Tabssum Parveen	Geography
10. Hardeep Kumar	Political Science

- ❖ महाविद्यालय के छात्र/छात्रा प्रतिवर्ष शिक्षा पूर्ण कर बडी संख्या में विभिन्न सरकारी विभागों में चयनित होकर महाविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।
- ❖ अब तक महाविद्यालय से 2 लाख से अधिक छात्र/छात्राएं उच्चशिक्षा प्राप्त कर चुके हैं।
- ❖ महाविद्यालय हरदोई जिले का एकमात्र *NAAC* मूल्यांकित कॉलेज है।

❖ मुख्यमन्त्री/अभ्युदय कोचिंग योजना :–

❖ **सिविल सेवा, राज्य लोक सेवा आयोग, बैंकिंग/NDA/CDS, आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले, छात्र/छात्राओं को निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है।**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020

शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, सम्पूर्णता, एकीकरण, खोज परक, अधिगम अभिकेन्द्रित विषय, परिचर्चा आधारित, लचीलापन, एवं आनन्दमय बनाने का प्रयास किया गया है। नई शिक्षा नीति (2020) ज्ञान के साथ–साथ, कौशल विकास, रोजगार परक एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए अधिक प्रयासरत् है। नई शिक्षा नीति संकाय/विभाग के जटिल बंधन रूपी दीवार में बंधने के बजाय विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों की शिक्षा एक साथ लेने के लिए आजाद माहौल प्रदान करती है। साथ ही लोगों को शिक्षा पूर्ण करने के लिए अवसर प्रदान करती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति लागू है। स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर सेमेस्टर के साथ (CBCS) प्रणाली क्रियान्वित है। नई शिक्षा नीति (2020) में स्नातक कार्यक्रम को सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री, अनुसंधान स्नातक के चरण शामिल करते हुए 4 वर्षीय पाठ्यक्रम बनाया गया है। स्नातक कार्यक्रम को कुल 8 सेमेस्टर में संचालित किया जा रहा है।

स्नातक :–

प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी को दो विषय को **मेजर–1, मेजर–2** के रूप में चुनना होगा, एक विषय को **माइनर** के रूप में लेना होगा। **मेजर–1, एवं मेजर–2** में दो–दो प्रश्न पत्र होंगे एवं **माइनर** का एक प्रश्न पत्र होगा।

स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर संचालित पाठ्यक्रम

बी.ए.	बी.काम (स्ववित्तपोषित)	बी.बी.ए. (स्ववित्तपोषित)	एम.ए.
स्वीकृत सीट 660	स्वीकृत सीट 180	स्वीकृत सीट 60	स्वीकृत सीट 400
हिन्दी साहित्य	सभी विषय	सभी विषय	हिन्दी साहित्य–60
प्रयोजनमूलक हिन्दी			भूगोल–40
English Literature			राजनीति विज्ञान–120
Functional English			अर्थशास्त्र–60
भूगोल			समाजशास्त्र–60
राजनीति विज्ञान			संस्कृत–60
अर्थशास्त्र			
शिक्षाशास्त्र			
इतिहास			
समाजशास्त्र			
संस्कृत			

प्रवेश हेतु पात्रता

बी.ए. में प्रवेश हेतु :– स्नातक/कला संकाय में प्रवेश लेने की न्यूनतम योग्यता इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में सामान्य एवं ओ0बी0सी0 वर्ग के अभ्यर्थियों को कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अंक अनिवार्य हैं।

बी.काम में प्रवेश हेतु :– इण्टरमीडिएट कामर्स/अर्थशास्त्र/गणित/समकक्ष इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण सामान्य एवं अन्य पिछड़ावर्ग की श्रेणी के छात्र/छात्राओं हेतु 40% अंक तथा अनु.जाति/जनजाति के छात्र/छात्राओं हेतु 33% अंकों के साथ इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

बी.बी.ए. में प्रवेश हेतु :– इण्टरमीडिएट कला/विज्ञान/वाणिज्य/कृषि अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सामान्य एवं अन्य पिछड़ावर्ग की श्रेणी के छात्र/छात्राओं हेतु 50% अंक तथा अनु.जाति/जनजाति के छात्र/छात्राओं हेतु 45% अंकों के साथ इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

एम.ए. में प्रवेश हेतु :– स्नातक स्तर पर सम्बन्धित विषय में परीक्षा उत्तीर्ण सामान्य एवं अन्य पिछड़ावर्ग श्रेणी के छात्र/छात्राओं हेतु 45% अंक तथा अनु.जाति/जनजाति के छात्र/छात्राओं हेतु 40% अंक तथा अन्य विषय या अन्य संकाय में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों हेतु स्नातक स्तर पर 50% अंक होना अनिवार्य है।

परास्नातक स्तर के सभी विषयों में शोध कार्य संचालित हैं।

अभ्यर्थी को आवेदन करने से पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की वेबसाइट पर जाकर LURN प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

Subject for B.A. (विषय संयोजन)

Group-A	1. हिन्दी साहित्य केवल एक विषय का चयन करें। 2. हिन्दी (प्रयोजन मूलक हिन्दी)
Group-B	1. अंग्रेजी साहित्य केवल एक विषय का चयन करें। 2. अंग्रेजी (Functional English)
Group-C	संस्कृत
Group-D	इतिहास
Group-E	अर्थशास्त्र
Group-F	भूगोल
Group-G	राजनीति विज्ञान
Group-H	समाजशास्त्र
Group-I	शिक्षाशास्त्र

नोट – अभ्यर्थी उपरोक्त समूहों में से एक समूह से केवल एक विषय का चयन करेगा, इस तरह अभ्यर्थी को तीन अलग–अलग समूहों में से तीन विषयों का चयन करना होगा। अभ्यर्थी दो से अधिक साहित्यिक या भाषा विषय का चयन नहीं कर सकता।

नोट – छात्र/छात्राओं के हित में सलाह दी जाती है कि वह समाजशास्त्र और शिक्षाशास्त्र विषय एक साथ चयन न करें, जिन छात्र/छात्राओं का इण्टर में अर्थशास्त्र एवं गणित विषय रहा है उन्हें अर्थशास्त्र विषय लेना हितकर होगा। जिन छात्र/छात्राओं का इण्टर में संस्कृत विषय रहा है उन्हें स्नातक में संस्कृत विषय लेना हितकर होगा।

1. यदि कोई प्रवेशार्थी प्रवेश हेतु काउंसिलिंग के दिन अनुपस्थित रहता है अथवा प्रवेश सम्बन्धी औपचारिकतायें निर्धारित तिथि तक पूर्ण नहीं कर पाता है तो उस दशा में उसका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जायेगा तथा उसके स्थान पर योग्यताक्रम (Merit) में आने वाले अगले अभ्यर्थी के प्रवेश पर विचार कर लिया जायेगा।
2. बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के प्रवेशार्थियों का प्रवेश संस्तुत हो जाने की दशा में तत्काल निर्धारित शुल्क जमा करना अनिवार्य है अन्यथा प्रवेशाधिकार निरस्त माना जायेगा।
3. **लखनऊ विश्वविद्यालय का परीक्षा आवेदन–पत्र सामान्यतया विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय में भरे जाते हैं। परीक्षा फार्म का भरा जाना परीक्षार्थी का व्यक्तिगत दायित्व होगा। परीक्षा आवेदन–पत्र की निर्धारित तिथि समाप्त हो जाने के पश्चात् विश्वविद्यालय की सहमति प्राप्त होने के बाद ही परीक्षा आवेदन–पत्र अग्रसारित किये जा सकेंगे।**
4. यदि कोई प्रवेशार्थी ऑन–लाइन आवेदन के समय किसी भी तरह की असत्य/गलत सूचना देता है तो प्रवेश समिति को यह पूर्णतया अधिकार होगा कि उसका प्रवेश निरस्त कर दें, तथा आवश्यक कार्यवाही करें।

1. वे अभ्यर्थी जो अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन–क्रीमीलेयर) के हैं तथा उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं, उन्हें ही आरक्षण का लाभ देय होगा तथा अन्य प्रदेशों के अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी सामान्य श्रेणी के माने जायेंगे।
2. आरक्षण का लाभ उत्तर प्रदेश सरकार/लखनऊ विश्वविद्यालय के नियमों के अन्तर्गत दिया जायेगा।
3. जाति तथा आय प्रमाण पत्र सरकारी वेबसाइट से प्रमाणित किया जायेगा।
4. ऑनलाइन प्रवेश पंजीकरण के समय जमा किया गया समस्त शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जायेगा।
5. छात्रत्व के दौरान रैगिंग जैसी कुत्सित घटना में सम्मिलित होने पर छात्र के विरूद्ध माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
6. ऐसे अभ्यर्थी जो वर्तमान वर्ष में अर्हता परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं, वे भी इस प्रवेश परीक्षा में आवेदन करने हेतु अर्ह होंगे। ऐसे अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग प्रक्रिया के पूर्व न्यूनतम अर्हता धारित करना अनिवार्य होगा।
7. महाविद्यालय को किसी भी समय प्रवेश नियमों में परिवर्तन एवं संशोधन करने का अधिकार होगा।

सामान्य सूचना

1. यदि कोई अभ्यर्थी असत्य सूचनाओं/अनुसूचित साधनों के आधार पर अथवा फर्जी अंक पत्रों के आधार पर प्रवेश पाता है तो जिस समय भी यह तथ्य उद्घाटित होगा, उसका प्रवेश प्रारम्भ से ही निरस्त कर दिया जायेगा तथा उसके विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता सम्बन्धित धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
2. कला स्नातक अभ्यर्थियों का प्रवेश, इस हेतु आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर योग्यता सूची से लिया जायेगा।
3. योग्यता के क्रम को निम्नलिखित रूप में निर्धारित किया जायेगा।
4. यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थियों ने मेरिट सूची में बराबर अंक/श्रेणी प्राप्त किये है तो प्रवेश के लिए मेरिट का निर्धारण निम्मलिखित प्रकार से होगा।
5. जिस अभ्यर्थी के इण्टरमीडिएट (10+2) या समकक्ष परीक्षा या पॉलीटेक्निक डिप्लोमा में उच्च प्रतिशत प्राप्त होंगे, उस अभ्यर्थी को पहली वरीयता दी जाएगी।
6. यदि अभ्यर्थियों के इण्टरमीडिएट (10+2) या समकक्ष परीक्षा या पॉलीटेक्निक डिप्लोमा परीक्षा में प्राप्त अंक बराबर हैं तो ऐसी स्थिति में पहली वरीयता उस अभ्यर्थी को दी जायेगी जिसने हाई स्कूल या समकक्ष परीक्षा या पॉलीटेक्निक डिप्लोमा में उच्चतर प्रतिशत प्राप्त किया है।
7. यदि हाई स्कूल में प्राप्त अंक भी बराबर है तो ऐसी स्थिति में आयु में वरिष्ठ अभ्यर्थी को वरीयता दी जायेगी।
8. अभ्यर्थी योग्यता (मेरिट) के आधार पर भारण (यदि कोई है) के लिए हकदार होगा।
9. महाविद्यालय के पास किसी भी प्रवेश को किसी भी अवस्था में निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
10. प्रवेश से सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के प्रतिपादन के सम्बन्ध में सभी विवाद महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवेश समिति को सौंपे जायेंगे और उनका निर्णय अन्तिम होगा।

प्रवेश हेतु प्रक्रिया (Procedure for Admission)

01– लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त महाविद्याय में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र/छात्रा को सर्व प्रथम लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर Lucknow University Registration Number (LURN) प्राप्त करना अनिवार्य होगा बिना LURN) के आपका प्रवेश आवेदन पत्र मान्य नहीं होगा।

02– स्नातक/कला संकाय (NEP) चार वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने की न्यूनतम योग्यता इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में सामान्य एवं ओ0बी0सी0 वर्ग के अभ्यर्थियों को कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अंक अनिवार्य हैं।

03– कला संकाय में स्नातक कक्षा में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित शुल्क के साथ आनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन केवल आनलाइन ही स्वीकार किये जायेंगे। अन्तिम तिथि के बाद किए गये आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

04– कला संकाय में स्नातक अभ्यर्थियों का प्रवेश महाविद्यालय में आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर तैयार मेरिट लिस्ट से किया जायेगा।

05– यदि प्रवेश परीक्षा का प्राप्तांक समान होगा तो (10+2) में उच्च प्रतिशत वाले अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी।

07– परीक्षा के लिए एक प्रश्न पत्र होगा जो कि बहुविकल्पीय प्रकृति का होगा।

08– प्रश्नपत्र में कुल 100 प्रश्न होंगे जिसका पूर्णांक 100 होगा।

09– प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा, गलत उत्तर के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं होगा।

10– प्रश्न पत्र को हल करने के लिए 02 घण्टे का समय निर्धारित होगा।

11– प्रश्न पत्र में (इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, रिजनिंग, विज्ञान, अर्थशास्त्र, खेलकूद, समसामयिक घटनाक्रम एवं हिन्दी भाषा) से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे।

Post Graduate Admission Information Brochure
C.S.N. P.G. College, Hardoi

01– ऑनलाइन प्रवेश सम्बन्धी निर्देश विश्वविद्यालय अधिनियम, परिनियम, अध्यादेशों तथा नियमों के अधीन हैं।

02– गैप प्रमाण–पत्र : यदि स्नातक परीक्षा/अर्हता परीक्षा के बाद प्रवेश लेने में अन्तराल हो तो अन्तराल के कारण का रू0 10 के स्टाम्प पेपर पर निर्गत नोटरी द्वारा सत्यापित शपथ–पत्र प्रवेश के समय जमा करें।

03– प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत सूचना महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे महाविद्यालय की वेबसाइट नियमितरूप से देखते रहें।

04– योग्यता सूची घोषित होने पर इसकी प्रति महाविद्यालय की वेबसाइट पर देखने के लिए उपलब्ध रहेगी। अभ्यर्थी को स्वयं अपना योग्यता–क्रमांक, योग्यता–सूची से ज्ञात करना होगा। योग्यता–सूची समाचार–पत्रों में प्रकाशित नहीं करायी जायेगी।

05– जो अभ्यर्थी अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के हैं तथा उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं, उन्हें ही आरक्षण का लाभ अनुमन्य होगा तथा अन्य प्रदेशों के अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी सामान्य श्रेणी के माने जायेंगें।

06– आरक्षण का लाभ उत्तर प्रदेश सरकार/लखनऊ विश्वविद्यालय के नियमों के अन्तर्गत प्रदान किया जायेगा।

07– जाति तथा आय प्रमाण पत्र सरकारी वेबसाइट से प्रमाणित किया जायेगा।

08– रजिस्ट्रेशन के समय जमा किया गया समस्त शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नही किया जायेगा।

09– शिक्षण के दौरान रैगिंग जैसी कुत्सित घटना में संलिप्त होने पर छात्र/छात्राओं के विरूद्व माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी।

10– जो अभ्यर्थी किसी भी विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/संस्था से निष्कासित किये गये हैं अथवा भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत अपराधी सिद्व किये गये है वह महाविद्यालय के किसी भी पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिये योग्य नहीं होंगे।

11– स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश हेतु वही अभ्यर्थी अर्ह होंगे जिन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से 10+2+3 अथवा समकक्ष की शिक्षा पद्धति के अन्तर्गत त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

12– अभ्यर्थी को जिस विषय में प्रवेश लेना है उस विषय के स्नातक पाठ्यक्रम के किसी भी वर्ष में अध्ययन किये जाने की स्थिति में उसने स्नातक परीक्षा न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।

13– अभ्यर्थी द्वारा जिस विषय में प्रवेश लेना है उस विषय/संकाय के स्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययन न किये जाने की दशा में स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण की हो।

14– परास्नातक में प्रवेश, प्रवेश–परीक्षा के आधार पर होगा।

15– एक से अधिक परास्नातक के विषयों में आवेदन के लिये अलग–अलग ऑन–लाइन फार्म भरना होगा।

16– एक विषय का फार्म दूसरे विषय में प्रवेश के लिये स्थानान्तरित नहीं किया जायेगा।

17– अभ्यर्थी एक सत्र में दो परास्नातक डिग्री पाठ्यक्रमों में अध्ययन नहीं कर सकता है।

18– यदि अभ्यर्थी ने पूर्व में किसी विषय में परास्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया है तो वह दूसरे विषय में परास्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययन हेतु अर्ह नहीं होगा। यह नियम व्यावसायिक पाठ्क्रमों पर लागू नहीं होगा।

19– योग्यता सूची सम्बन्धित विभागों में उपलब्ध रहेगी तथा इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी देखा जा सकेगा।

20– महाविद्यालय किसी भी प्रवेश को किसी भी स्तर पर निरस्त करने का अधिकार रखता है।

21– परास्नातक प्रवेश से सम्बन्धित किसी भी मामले में महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवेश समिति का निर्णय अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

22– परास्नातक प्रवेश से सम्बन्धित सभी विधिक मामलों का न्याय क्षेत्र हरदोई होगा।

23– ऐसे अभ्यर्थी जो प्रवेश वर्ष में स्नातक पाठ्यक्रम की अंतिम वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित हो रहे है, वे भी इस प्रवेश परीक्षा में आवेदन करने हेतु अर्ह होंगे। ऐसे अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग प्रक्रिया के पूर्व न्यूनतम अर्हता धारित करना अनिवार्य होगा।

24– यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा की मेरिट सूची में समान अंक/श्रेणी प्राप्त किये है तो प्रवेश के लिए मेरिट का निर्धारण निम्नलिखित प्रकार से होगा:–

क– यदि अभ्यर्थियों के प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंक समान हैं तो ऐसी दशा में पहली वरीयता उस अभ्यर्थी को दी जायेगी जिसने स्नातक या समकक्ष परीक्षा में उच्चतर प्रतिशत प्राप्त किया हैं।

ख– यदि अभ्यर्थियों के प्रवेश परीक्षा एवं स्नातक में प्राप्त अंक समान हैं तो ऐसी दशा में पहली वरीयता उस अभ्यर्थी को दी जायेगी जिसने कक्षा 10+2 या समकक्ष परीक्षा में उच्चतर प्रतिशत प्राप्त किया है।

अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार की जायेगी एवं विषयों का आवंटन होगा।

1. अभ्यर्थियों के प्रवेश प्राप्तांक की मेरिट के अनुसार विषय सीटों के सापेक्ष आवंटित किये जायेंगे।

2. विषय आवंटन महाविद्यालय में काउंसिलिंग के आधार पर किया जायेगा।

3. यदि कोई अभ्यर्थी उच्च मेरिट रखते हुए निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होता है तो उसके नीचे वाले अभ्यर्थी को विषय आवंटित होगा जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व अभ्यर्थी का होगा।

4. यदि निर्धारित काउंसिलिंग के बाद कुछ सीटें रिक्त हो जाती हैं तो (पहले आओ पहले पाओ) के आधार पर प्रवेश एवं विषय आवंटित होगा।

काउंसिलिंग प्रक्रिया

1. अभ्यर्थी कॉलेज की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करते रहें कॉलेज द्वारा कांउसिलिंग की तिथि घोषित की जायेगी।

2. सीटों का आवंटन निर्धारित आरक्षण व्यवस्था के अनुरूप होगा।

प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने के लिए काउन्सिलिंग के समय निम्नलिखित प्रमाण–पत्र संलग्न करने होंगे।

01– Lucknow University Registration Number (LURN) की छायाप्रपति

02– हाई स्कूल/समकक्ष परीक्षा की अंकतालिका एवं प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति

03– 10+2/इण्टरमीडिएट परीक्षा की अंकतालिका एवं प्रमाण–पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति

04–अंतिम शिक्षा संस्था के प्रधानाचार्य/प्राचार्य द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण–पत्र मूल रूप में एवं टी.सी./प्रवजन प्रमाण–पत्र की मूलप्रति।

05–पूर्व परीक्ष में व्यक्तिगत (प्राइवेट) रूप से उत्तीर्ण प्रवेशार्थी को केन्द्र प्रमाण–पत्र की मूलप्रति एवं किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा चरित्र प्रमाण–पत्र तथा संस्थागत छात्रा के रूप में जिस कक्षा तक अध्ययन किया गया हो, की टी.सी. एवं चरित्र प्रमाण–पत्र की मूल सत्यापित प्रति।

06–ऐसे अभ्यर्थी जिनका पूर्व वर्षों के अध्ययन में गैप रहा हो, 10 रूपये के नोटरी के माध्यम से इस आशय का शपथ–पत्र (प्रारूप संलग्न) प्रस्तुत करें कि उसने विगत वर्षों में कहीं भी संस्थागत छात्र/छात्रा के रूप में अध्ययन नहीं किया है।

07– अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति/ई.डब्लू. एस./स्वतंत्रता संग्राम सेनानी/ दिब्यांग सुरक्षाकर्मी/विकलांग/एन.सी.सी. या राष्ट्रीय स्तर के खेलकूद में भाग लेने से सम्बन्धित प्रवेशार्थी को सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण–पत्र की सत्यापित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

08–समस्त स्रोतों से अभिभावक की वार्षिक आय रू. 2.00 दो लाख तक होने की दशा में सक्षम अधिकारी (तहसीलदार) द्वारा आय प्रमाण–पत्र की छायाप्रति।

09–आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (E.W.S) के प्रवेशार्थी को सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण–पत्र की सत्यापित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। (प्रमाण–पत्र प्रारूप I एवं II ।सलंग्न है)

10–प्रवेशार्थी के लिए यह अनिवार्य है कि एन्टी रैगिंग शपथ–पत्र (प्रारूप–3) प्रवेश फार्म के साथ संलग्न करें।

शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क का विवरण

सत्र 2023–24 की शुल्क संरचना (स्नातक एवं परास्नातक)

क्रमांक	मद का नाम	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर शुल्क	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर शुल्क	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
1	प्रवेश शुल्क	10.50		7	
2	शिक्षण शुल्क	144		144	
3	मंहगाई शुल्क	42		42	
4	विकास शुल्क	20		20	
5	इलेक्ट्रिक हॉट एण्ड कोल्ड शुल्क	100		100	
6	परिचय–पत्र शुल्क	50	50	50	50
7	वाचनालय शुल्क	12		12	
8	क्रीड़ा शुल्क	100		100	
9	पत्रिका शुल्क	50		50	
10	भूगोल प्रेक्टिकल प्रति विषय शुल्क	**240**		240	
11	भूगोल प्रयोगशाला काशनमनी शुल्क	**20**		20	
12	पुस्तकालय शुल्क	100		100	
13	पुस्तकालय काशनमनी शुल्क	30		30	
14	विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क	**1250**	**1250**	**2000**	**2000**
15	विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क	**500**		**500**	
16	छात्र कल्याण कोष	**100**		100	
17	साईकिल स्टैण्ड शुल्क	300		300	
18	प्रोसेसिंग शुल्क	450		450	
19	छात्र संघ शुल्क	50		50	
20	कल्चरल एक्टीविटीज शुल्क	50		50	
21	छात्र सहायता निधि कोष	0		0	
22	मिडटर्म परीक्षा शुल्क	50	50	50	50
23	वि.वि. प्रायोगिक/माखिक परीक्षा शुल्क (भूगोल)	**0**	0	0	0
24	पुरातन छात्र शुल्क	50	50	50	50
		3718.50	**1400**	**4465**	**2150**

नोट – उक्त शुल्क विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार परिर्वतनीय होगा।

(स्नातक एवं परास्नातक)

ऐसे प्रवेशार्थी को प्रवेश देना सम्भव नहीं होगा

01– जो गत वर्ष किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो चुका हो।

02– जो अनुचित साधन प्रयोग का दोषी पाया गया हो।

03– जो गत वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने से रोक दिया गया हो।

04– जो किसी आपराधिक मामले में सजा पा चुका हो अथवा जिस पर कोई अभियोजन चल रहा या जिसका आचरण संदिग्ध हो।

05– किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश देने का अधिकार प्राचार्य के पास सुरक्षित होगा।

06– कक्षायें आरम्भ होने के एक सप्ताह के अन्दर छात्र एवं छात्रा को विषय की शुल्क रसीद/बैंक जमा पर्ची दिखाकर विभाग में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर उसका प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।

अनुशासन सम्बन्धी नियम

छात्र/छात्राओं में अनुशासन एवं संस्था के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में प्राक्टोरियल बोर्ड का गठन किया है। महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था तोड़ने पर दोषी छात्र/छात्राओं को दण्डित करने का पूर्ण अधिकार अनुशासन समिति को प्राप्त है। महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक अनुशासन समिति के पदेन सदस्य हैं।

प्रत्येक छात्र/छात्रा को अनुशासन सम्बन्धी निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

1. महाविद्यालय में अध्ययनरत् प्रत्येक छात्र/छात्रा को एवं महाविद्यालय द्वारा निर्गत परिचय पत्र लाना अनिवार्य होगा।
2. महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों हेतु गणवेश (Uniform) आसमानी स्लेटी फुल पैन्ट तथा सफेद फुल शर्ट।
3. महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं हेतु गणवेश (Uniform) नीले चेक का कुर्ता, सफेद सलवार तथा सफेद दुपट्टा।
4. सर्दियों में छात्र/छात्राओं हेतु नेबी ब्लू रंग का स्वेटर।
5. छात्र/छात्राओं हेतु निर्धारित गणवेश (Uniform) के अभाव में छात्र/छात्राओं को कक्षा में जाने से रोक जा सकता है।
6. शिक्षण कक्ष में मोबाइल अथवा अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों का प्रयोग पूर्णतः निषिद्ध है।
7. किसी भी बाहरी व्यक्ति को महाविद्यालय परिसर में लाना अनुशासनहीनता मानी जाएगी।
8. छात्राओं के लिए कामनहाल की व्यवस्था है, जहां वे खाली वादनों में बैठ सकती हैं।
9. पान मसाला, तम्बाकू, गुटखा या अन्य नशीली वस्तुओं का प्रयोग करते पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
10. रैगिंग संज्ञेय अपराध है। महाविद्यालय परिसर में यदि कोई छात्र/छात्रा रैगिंग करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ इण्डियन पैनल कोर्ट (आई0पी0सी0) के अन्तर्गत Act against Ragging के तहत दण्ड निर्धारित होगा तथा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराकर उसे महाविद्यालय से निष्कासित कर दिया जायेगा।
11. यदि कोई अभ्यर्थी अनुचित योग्यता एवं झूठे तथ्यों के आधार पर प्रवेश लेता है तो तथ्य उद्घाटित होने पर उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर उसके प्रवेश को निरस्त कर दिया जायेगा।
12. महाविद्यालय के अध्यापकों एवं कर्मचारियों के प्रति अशालीन व्यवहार करना, या किसी बात को मनवाने के लिए सहपाठियों एवं छात्र/छात्राओं को प्रशासन के विरूद्ध भड़काना, प्रदर्शन एवं आंदोलन करना अनुशासनहीनता है। ऐसे में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
13. छात्र/छात्राएं अपने वाहन स्टैण्ड पर ही खड़ा करें। अन्य स्थान पर वाहन खड़ा करने पर उन्हें दण्डित किया जायेगा।
14. यदि कोई भी छात्र/छात्रा अनुशासन सम्बन्धी नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके स्कालर रिकार्ड में तथा महाविद्यालय द्वारा दिये जाने वाले चरित्र प्रमाण पत्र में भी प्रविष्टि अंकित की जाएगी।

भारण एवं आरक्षण के लिए प्रमाण–पत्र निम्नलिखित सक्षम अधिकारियों द्वारा निर्गत ही मान्य होंगे

	वर्ग	सक्षम अधिकारी	प्रतिशत / भारांक
1.	उत्कृष्ट खिलाड़ी या गाइड / रेंजर (पिछले 03 वर्षों में)	शिक्षा अधिकारी, क्रीड़ा अधिकारी या आयोजक संस्था के अधिकारी या लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष या प्रधानाचार्य प्रतिहस्ताक्षर।	3% भारांक
2.	विकलांग	जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी	3% क्षैतिज
3.	स्वतंत्रता सेनानी के वास्तविक आश्रित पुत्र / पुत्री / पौत्री	जिलाधिकारी	2% भारांक
4.	सांस्कृतिक / पाठ्य सहगामी कार्यक्रमों में पिछले 03 वर्षों में विशेष उपलब्धि।	शिक्षा अधिकारी, आयोजक संस्था के अधिकारी	3% भारांक
5.	एन.सी.सी.–बी. / सी. प्रमाण पत्र	सम्बन्धित यूनिट / बटालियन के समादेश अधिकारी।	3% भारांक
6.	अनु. जाति / जनजाति तथा	जिलाधिकारी / अपर जिलाधिकारी / सिटी मजिस्ट्रेट	15% तथा 7.50%
7.	अन्य पिछड़ी जाति / वर्ग /	परगना मजिस्ट्रेट अथवा तहसीलदार।	27%
	ई0डब्लू0एस0		10%
8.	क्षेत्रीय युवा समारोह में विगत 3 वर्षों में विशेष उपलब्धि	जिला अथवा क्षेत्रीय अधिकारी / आयोजक या संचालक	3%
9.	विधवा या परित्यक्ता	कानूनी / अधिकृत अधिकारी / अभिलेख	1%, क्षैतिज
10.	शहीद या प्रतिरक्षा कार्य में अपंग हुए सेवामुक्त कर्मी की पुत्र / पुत्री / पत्नी / बहन	सोल्जर्स बोर्ड / सक्षम सैन्य अधिकारी या अभिलेख	2% क्षैतिज

11. निम्नलिखित श्रेणी के खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय के नियमानुसार भारण (Weightage) देय होगा:— ऐसे खिलाड़ी जिन्होने जनपद में चयन के पश्चात टीम की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पिछले दो वर्षों में भाग लिया हो। डी.आई.ओ.एस. / आर.आई.जी.एस. / डी.डी.ओ. द्वारा दिये गये मूल प्रमाण–पत्र ही केवल मान्य होंगे।

    अथवा

    ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने उत्तर प्रदेश का पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय अथवा प्रदेशीय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व किया हो तथा प्रतियोगिताएं आधिकारिक मान्यता प्राप्त प्रदेशीय खेलकूद संस्थाओं द्वारा आयोजित की गई हों। इन प्रतियोगिताओं के आयोजकों अथवा राजकीय संस्थाओं द्वारा दिये गये मूल प्रमाण पत्र ही केवल मान्य होंगे।

12. यदि किसी अभ्यर्थी ने लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातक की परीक्ष उत्तीर्ण की है तो उसे परास्नातक में प्रवेश के समय मेरिट (योग्यता) अंको में 5 अंक का भारांक दिया जायेगा लेकिन प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के लिए इसको नहीं जोड़ा जायेगा।

13. नोट–

1. आरक्षण का लाभ उत्तर प्रदेश सरकार / लखनऊ विश्वविद्यालय के नियमों के अन्तर्गत दिया जायेग
2.कुल वरीयता अंको (भारण) का योग 10 प्रतिशत भारांक से अधिक नहीं होगा।

गैप इयर हेतु शपथ–पत्र का प्रारूप– 01

(10 रूपये के स्टाम्प पेपर पर नौटेरी द्वारा सत्यापित)

1. मैं, ...पुत्र/पुत्री श्री ....
..

पता..
....जो आपके महाविद्यालय (सी.एस.एन. पी.जी. कॉलेज, हरदोई) में कक्षा ....में प्रवेश लेना चाहता हूँ/चाहती हूँ।

2. मैं शपथपूर्वक बयान करता हूँ/करती हूँ कि मैंने इण्टर/बी.ए./बी.एस.सी./बी.काम. प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष ....में उत्तीर्ण की है इसके बाद वर्ष.............से वर्ष..................तक मैनें किसी भी अन्य संस्थागत विद्यालय/महाविद्यालय में प्रवेश नहीं लिया है। मैं इस अन्तराल में ....कारण/कारणों से प्रवेश नहीं ले सका था/सकी थी।
3. यदि मेरा उक्त बयान/घोषणा असत्य किसी अंश तक मिथ्या पायी जाती है तो मेरा प्रवेश निरस्त कर दिया जाये। मेरे विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने के लिए सम्बन्धित महाविद्यालय स्वतन्त्र होगा।
4. उक्त शपथ पूर्वक बयान के लिए ईश्वर मेरी मदद करे।

स्थान :
तिथि :
.
.
..
..

प्रार्थी/अभ्यर्थी के हस्ताक्षर
प्रार्थी का नाम ....

पिता का नाम..

पता...

....

संलग्नक

(प्रारूप–1)

उत्तर प्रदेश सरकार

कार्यालय का नाम...

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला आय एवं परिसम्पत्ति प्रमाण–पत्र

प्रमाण–पत्र संख्या ....   दिनांक........................

.

वित्तीय वर्ष......................................के लिए मान्य

1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री / श्रीमती / कुमारी.. पुत्र / पति / पुत्री...ग्राम / कस्बा...

.

पोस्ट ऑफिस... थाना...

तहसील...जिला...राज्य...

पिन कोड...के स्थायी निवासी हैं, जिनका फोटोग्राफ नीचे अभिप्रमाणित है, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सदस्य हैं, क्योंकि वित्तीय वर्ष .... में इनके परिवार की कुल वार्षिक आय रू. 8.00 लाख (आठ लाख रूपये मात्र) से कम है। इनके परिवार के स्वामित्व में निम्नलिखित में से कोई भी परसम्पत्ति नहीं है–

i. 5 (पांच) एकड़ कृषि योग्य भूमि अथवा इससे ऊपर।

ii. एक हजार वर्ग फीट अथवा इससे अधिक फ्लैट।

iii. अधिसूचना नगर पालिका के अन्तर्गत 100 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

iv. अधिसूचना नगर पालिका से इतर 200 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

2. श्री / श्रीमती / कुमारी.................................. ....जाति.......................................के सदस्य हैं, जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के रूप में अधिसूचना नहीं है।

आवेदक का पासपोर्ट साईज का अभिप्रमाणित फोटोग्राफ	हस्ताक्षर ....(कार्यालय की मुहर सहित) पूरा नाम... पदनाम.. जिलाधिकारी / अतिरिक्त जिलाधिकारी / सिटी मजिस्ट्रेट / परगना मजिस्ट्रेट / तहसीलदार

(प्रारूप— I I)

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लाभार्थी स्वयं घोषणा—पत्र

स्वंय घोषणा—पत्र

मैं...पुत्र / पुत्री / पत्नी..

ग्राम / कस्बा ....पोस्ट ऑफिस..

जिला ....राज्य... में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रमाण—पत्र हेतु आवेदन—पत्र दिया है, एतद् द्वारा घोषणा करता / करती हूँ :—

1— मैं ....जाति से सम्बन्ध रखता / रखती हूँ, जो उत्तर प्रदेश हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनूसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में सूचीबद्ध नहीं है।

2— मेरे परिवार की कुल स्रोतो (वेतन, कृषि, व्यवसाय, पेशा इत्यादि) से कुल वार्षिक आय रू.......................... (शब्दों में)...है।

3— मेरे परिवार के पास उल्लिखित आय के सिवाय अथवा इसके अतिरिक्त अन्यत्र कोई परिसम्पत्ति नहीं है।

अथवा

कई स्थानों पर स्थित परिसम्पत्तियों को जोड़ने के पश्चात भी मैं (नाम)...आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दायरे में आता / आती हूँ।

4— मैं घोषणा करता / करती हूँ कि मेरे परिवार की सभी परिसम्पत्तियो को जोड़ने के पश्चात निम्नलिखित में से किसी भी सीमा से अधिक नहीं है :—

i. 5 (पांच) एकड़ कृषि योग्य भूमि अथवा इससे ऊपर।
ii. एक हजार वर्ग फीट अथवा इससे अधिक फ्लैट।
iii. अधिसूचना नगर पालिका के अन्तर्गत 100 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।
iv. अधिसूचना नगर पालिका से इतर 200 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

मैं प्रमाणित करता / करती हूँ कि मेरे द्वारा उपरोक्त जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है और मैं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण सुविधा प्राप्त करने हेतु पात्रता धारण करता / करती हूँ। यदि मेरे द्वारा दी गई जानकारी असत्य / गलत पायी जाती है तो मैं पूर्ण रूप में जानता हूँ / जानती हूँ कि इस आवेदन पत्र के आधार पर दिये गये प्रमाण—पत्र के द्वारा शैक्षणिक संस्थान में लिया गया प्रवेश / लोक सेवाओं एवं पदों में प्राप्त की गई नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी / कर दिया जायेगा अथवा इस प्रमाण—पत्र के आधार पर कोई अन्य सुविधा / लाभ प्राप्त किया गया है उससे भी वंचित किया जा सकेगा। और इस सम्बन्ध में विधि एवं नियमों के अधीन मेरे विरूद्ध की जाने वाली कार्यवाही के लिए मैं उत्तरदायी रहूँगा / रहूँगी।

नोट— जो लागू नहीं हो उसे काट दें।

आवेदक / आवेदिका का हस्ताक्षर तथा पूरा नाम

स्थान :
दिनांक :

UNDERTAKING / DECLARATION

I,……………………………………S/o or D/o Shri…………………………………

hereby declare that :-

1. The facts given by me in the admission form are true to the best of my knowledge. And belif I Heirdly declare that I have not concealed any fact which is important to be disclosed by a bonafied student of the University/ college/ Institution. I understand that concealment of facts is punishable at any point of time.
2. I agree to abide by the rules and regulations of University/ college/ Institution applicable from time to time and will not indulge in any activity which brings disrepute to my college/Institute and/University. I also declare that I will not pursue for appearing in University Examination if my attendance falls below 75%
3. I understand that ragging as defined by the authorities like Hon'ble Supreme Court/ Hon'ble High Court/Central Govt./ State Govt./UGC/University etc. is punishable offence. I am fully aware of the consequences of my indulgence in any sort of ragging and hence. I will not involve myself in any act of ragging on and off campous of the University/College/Institution.
4. I also understand, in case, I am found Guilty of any such activity, narrated in foregoing points. I will be liable for punishment which may be to the extent of expulsion/rustication from the University/College/Institution including initiation of legal criminal proceeding against me.
5. No case is pending against me in any court of Law theoughout the territory of India nor is there any matter lying against me in any police station. (भारत क्षेत्र के अन्तर्गत किसी भी न्यायालय मेरे विरूद्ध कोई वाद नहीं है, और नही में विरूद्ध कोई मामला किसी थाने में है।)

Signature of the Students:………………………………

Name of Student :……………………………

.

Father's Name :………………………………

Course of study :………………………………

Year of admission :………………………………..

The above named candidate is Son/Daughter in Law/Son –in Law/wife/ward of the undersigned. The undersigned as Parent/Guardian owes whole responsibility to the above declaration signed by the above named student. In case, the above named student is found Quilty of any unlawful activity/ragging done by him/her, the undersigned will have no objection if he/she is blacklisted/debarred/expelled/rusticated and/or any legal criminal proceeding is initiated against him/her by the State/University/College at any stage during his/her course of study.

As Parent/Guardian, the undersigned himself/herself will be agreeable to any punitive action taken against the above named student by the State/University/ College/Institution as per statuory provisions.

Signature of Parent/Guardian:…………………….…….

Name of Parent/ Guardian:……………………………

Relation with the Student:……………………………..

Date :……………………………..

Place - :…………………

विभागवार प्राध्यापकों का विवरण

विभाग / संकाय	प्राध्यापक
राजनीति विज्ञान	01.डॉ0 सन्दीप कुमार सिन्हा, प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी. जे.आर.एफ) 02.डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी.) 03.डॉ0 अंकित पाठक, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी. जे.आर.एफ) 04.डॉ0 अखिलेश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए.पी–एच.डी. जे.आर.एफ)
भूगोल	01.डॉ0 पुष्पारानी गंगवार, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी..) 02.श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए.एलएल.बी. जे.आर.एफ) 03. श्री राकेश सिंह, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.) 04. श्री अमित कुमार, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.) 05. डॉ0 अरूण कुमार मौर्य, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी. नेट, पी.जी.डी.डी.एम, पी.जी.डी.आर.डी) 06. श्री अजय कुमार शुक्ला, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट) 07. श्री ईश्वर दीन, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ) 08. डॉ0 रजनीश कुमार, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी. जे.आर.एफ)
हिन्दी	01 श्रीमती साधना शुक्ला, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट) 02– डॉ0 दीपक कुमार राय, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए.पीएच–डी. नेट) 03– श्री कुश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. एम.एड. नेट) 04– श्री मणिपाल सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.) 05– श्री श्रवण कुमार गुप्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ)
अर्थशास्त्र	01–डॉ0 शिवेन्द्र सिंह, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. एम.फिल पी–एच.डी. नेट, आई.सी. एस.एस.आर फेलोशिप) 02– श्री गोविन्द सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ) 03– श्री सचिन सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.) 04– श्री अमित कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट)

समाजशास्त्र	01–श्री विनय शील, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.) 02–सुश्री सरिता वर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.) 03– सुश्री शिवानी सिंह, अतिथि प्रवक्ता (एम.ए. नेट)
संस्कृत	01–डॉ0 किशोरी लाल सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी, नेट) 02– सुश्री रश्मि द्विवेदी, अतिथि प्रवक्ता (एम.ए. नेट)
शिक्षाशास्त्र	01–श्री राम उग्र, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.) 02–श्री वीर पाल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.)
अंग्रेजी	01–सुश्री शैवाल कनौजिया, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.) 02–सुश्री प्रिया शर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.)
इतिहास	01–श्री कृष्ण लाल, अतिथि प्रवक्ता (एम.ए. नेट)

Indira Gandhi National open University

IGNOU for Distance Learning is a Central University which came into existence through an Act of Parliament way back in 1985. In line with its objective of reaching the unreached, the IGNOU Study Centre was established in June 2007 by the then Regional Director Dr Amit Chaturvedi in CSN PG College, in the district of Hardoi which is regarded as one of the most backward districts of the state. Eversince the IGNOU Study Centre has been catering to the needs of providing access to higher education to those underprivileged sections of the society of the district that have largely been deprived of it so far. Besides the courses of BA and MA, several employment oriented Certificate and Diploma courses are conducted at the Centre for the benefit of the poor by being available to them at their door steps so that they can attain excellence in their life through education.

Dr. Sandeep Kumar Sinha
Professor/Co-ordinator
Ignou Center, C.S.N. P.G. College, Hardoi

समाजशास्त्र विभाग परिचय

समाजशास्त्र विभाग में स्नातक स्तर की कक्षाओं का प्रारम्भ 1965–66 में, जब कानपुर विश्वविद्यालय, आगरा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध था, तब से हो गया था। प्रारम्भ में समाजशास्त्र विभाग से श्री रवीन्द्र सिंह चौहान जी की नियुक्ति 18.07.1965 में हुई। वह समाजशास्त्र के बहुत अच्छे प्रवक्ता व जानकार थे। उसके बाद श्री सन्तोष कुमार बाजपेयी जी की नियुक्ति 11.10.1968 को हुई। 1973–74 में समाजशास्त्र विषय में विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं का अनुमोदन प्राप्त हुआ। 1973–74 से समाजशास्त्र विषय में एम0ए0 कक्षाओं की विधिवत् अध्यापन प्रारम्भ हुआ।

स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रारम्भ होने के बाद 01.02.1974 में श्री अजय प्रताप सिंह की समाजशास्त्र विषय में नियुक्ति हुई। 13.01. 1975 में डॉ0 नरेश चन्द्र शुक्ल की समाजशास्त्र विषय में नियुक्ति हुई। श्री रवीन्द्र सिंह चौहान जी जून 1994 में, श्री सन्तोष कुमार बाजपेयी जून 2006 में तथा डॉ0 नरेश चन्द्र शुक्ल महाविद्यालय में प्राचार्य पद पर जून 2013 से मार्च 2015 तक कार्यरत रहे तथा जून 2015 में सेवानिवृत्त हुए। श्री अजय प्रताप सिंह का असामयिक निधन 03.05.2009 को सेवाकाल में ही हो गया था। डॉ0 अनिल कुमार सिंह की नियुक्ति 12.07.1996 को हुई, इन्होंने मार्च 2015 से अक्टूबर 2021 तक कार्यवाहक प्राचार्य के पद पर अपनी सेवाएँ महाविद्यालय में दी तथा इनकी सेवानिवृत्ति 30.06.2022 को हुई। डॉ0 दयाशंकर सिंह यादव की नियुक्ति 28.02.2009 को हुई। डॉ0 दयाशंकर सिंह यादव का स्थानातरण सकलडीहा पी0जी0 कालेज, सकलडीहा में 16.07.2019 को हो गया था।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा चयनित श्री विनय शील एवं श्रीमती सरिता वर्मा 30.06.2022 की समाजशास्त्र विभाग में नियुक्ति हुई तथा सुश्री शिवानी सिंह अतिथि प्रवक्ता के पद पर कार्यरत् है।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन 20 दिसम्बर 2004 में **'अपराध शास्त्र व दण्डशास्त्र'** पर विद्यालय प्रांगण में ही किया गया। इस कार्यशाला में कारागार महानिदेशक उत्तर प्रदेश कैप्टेन एस0के0 पाण्डेय मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित रहे। 09 जनवरी 2010 को समाजशास्त्र परिषद द्वारा **'विकासशील देशों में विकास की विसंगतियाँ'** विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बी0एच0यू0 के प्रो0(डॉ0) पी0एन0पाण्डेय उपस्थित रहे। दिनांक 29 जनवरी 2011 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा **'भारतीय आधुनिकता : समस्याएं एवं सम्भावनाएं'** विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें डॉ0 डी0पी0 सक्सेना, पूर्व डीन, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। दिनांक 08 व 09 फरवरी 2012 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू0जी0सी0) द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी **'पर्यावरण की रोकथाम में मानव मूल्यों की भूमिका'** **'Role of Human Values in the Prevention of Environment'**विषय पर आयोजन किया गया। इस सेमिनार में प्रो0(डॉ0) पी0एन0 पाण्डेय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

गत वर्ष दिनाँक 05.11.2022 को विभाग द्वारा **'इन्डक्शन प्रोग्राम'** आयोजित किया गया, जिसमें नवीन सत्र में प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं को विद्यालय परिवेश, कार्यशैली एवं विषय के महत्त्व पर मुख्य वक्ता डॉ0 पवन कुमार मिश्रा एसोसिएट प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ज्ञानार्जन किया गया। दिनाँक 11.12.2022 को युवा महोत्सव के अन्तर्गत अकादमिक व्याख्यानमाला में विभाग द्वारा **'वर्तमान समय में समाजशास्त्र की प्रासंगिता'** विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 विभूति भूषण मलिक डीन, अम्बेडकर स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ0 अजय कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय उपस्थित रहे।

विभाग की उपलब्धियों में मुकेश कुमार (पूर्व छात्र) सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज का चयन उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा असिस्टेन्ट प्रोफेसर के पद पर बरेली कालेज, बरेली में हुआ साथ ही धीरज कुमार ने जून 2022 में यू0जी0सी0 नेट की परीक्षा में समाजशास्त्र विषय से जे0आर0एफ0 उत्तीर्ण किया। वर्तमान में धीरज लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में शोध छात्र हैं।

संस्कृत विभाग

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी स्व0 बाबू मोहनलाल वर्मा जी के सतत् प्रयासों से 10 अक्टूबर 1965 ई0 को सी0एस0 नेहरू कालेज की स्थापना की गयी। कालेज प्रबन्ध समिति द्वारा सन् 1965–66 से 06 विषयों के साथ स्नातक कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ किया गया। शनैः शनैः स्नातक विषयों की संख्या बढ़ती गयी। वर्तमान में 09 विषयों के साथ स्नातक की कक्षाएँ और 06 विषयों के साथ परास्नातक की कक्षाएँ संचालित हैं।

संस्कृत की परास्नातक कक्षाओं का प्रारम्भ सत्र 1969–70 से डॉ0 के0के0 अवस्थी जी के करकमलों द्वारा प्रारम्भ हुआ। इसी क्रम में डॉ0 के0के0 मिश्र, डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय, प्रो0 ब्रहम प्रसाद वर्मा, स्व0 मुन्नी शुक्ला, डॉ0 रमेश कुमारी सिंह चौहान एवं डॉ0 महेन्द्र वर्मा जी द्वारा अपनी सेवाएँ प्रदान की गयी। डॉ0 महेन्द्र वर्मा जी ने 1996 से 2017 तक अपनी सेवाएँ प्रदान की। अतिथि शिक्षिका के रूप में 2019 से कुमारी रश्मि द्विवेदी अपनी सेवा प्रदान कर रही हैं। उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित डॉ0 किशोरी लाल सिंह बतौर सहायक आचार्य (असिस्टेन्ट प्रोफेसर) संस्कृत विभाग में प्रभारी/विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

शिक्षाशास्त्र विभाग

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी स्व0 बाबू मोहनलाल वर्मा द्वारा सन् 1965 में स्थापित सी0एस0एन0 महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही स्नातक स्तर पर कला संकाय में शिक्षाशास्त्र विषय में पठ्न पाठ्न शुरू करने वाला जनपद का एकमात्र विद्यालय है। सितम्बर 1971 तक यह महाविद्यालय जिला चिकित्सालय के सामने स्थित केन सोसायटी के भवन में संचालित हो रहा था। पूर्व प्राचार्य स्व0 एम0पी0 जौहरी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त होने के फलस्वरूप वर्तमान भवन का उद्घाटन 02 अक्टूबर 1971 को गांधी जयंती के पावन अवसर पर मा0 अशोक बाजपेयी के करकमलों से सम्पन्न हुआ। यह स्नातकोत्तर महाविद्यालय जो कला संकाय के अन्तर्गत जनपद की उच्च शिक्षा की व्यापक आवश्यकताओं को अधिकांश रूप में पूरा करता है। उत्तर प्रदेश के अन्य सहायता प्राप्त महाविद्यालय भाँति हमारा महाविद्यालय भी शिक्षकों के अभाव में जूझ रहा था। जो वर्तमान में महाविद्यालय का स्वरूप बदल चुका है।

वर्तमान में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेन्द्र कुमार सिंह के सहयोग और प्रभावशाली नेतृत्व में हमारा महाविद्यालय प्रगति पथ की ओर अग्रसर है। यह प्रतिवेदन विगत सत्रों के उच्चावच अपने में समेटे हुए है।
वर्तमान में शिक्षाशास्त्र विभाग में आयोग से चयनित डॉ0 राम उग्र गोस्वामी (नेट, जे.आर.एफ.) शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं तथा साथ ही डॉ0 वीर पाल गंगवार (नेट, जे.आर.एफ.) असिस्टेन्ट प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। वर्तमान में शिक्षाशास्त्र विभाग में विद्यार्थीयों की शिक्षा के अवधारणा की समझ विकसित करने के साथ–साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1992 एवं तीसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्धारित पाठ्यक्रम को कवर करने के साथ–साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। किसी भी विषय को समझने की प्रक्रिया क्या होगी, उसके नियम और सिद्धान्त क्या–क्या होगा जिसको विद्यार्थी शिक्षा मनोविज्ञान के द्वारा समझते है। शिक्षा की अवधारणीय संरचना जैसे गूढ़ विषय को सरल रूप से तमाम उदाहरणों के द्वारा छात्रों को बताया जाता है। शिक्षण सत्र 2022–23 में बी0ए0 तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए प्रयोगात्मक परीक्षाएं पुनः प्रारम्भ की जा चुकी हैं। जो विगत कई वर्षों से संचालित नहीं हो पा रही थी।

शिक्षाशास्त्र वह विषय है जिसमें विद्यार्थियों को शिक्षा के सैद्धांतिक पक्षों के साथ–साथ व्यवहारिक पक्षों से भी अवगत कराया जाता है। शिक्षा मानव व्यवहार का परिष्कार करती है जिससे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। क्रो एवं क्रो के अनुसार– 'शिक्षक बालकों को प्रेरित करके उन्हें अपने ध्यान को पाठ्य विषय पर केन्द्रित करने में सहायता दे सकता है।' उपरोक्त कथन से प्रेरणा लेते हुए हमें पूर्ण आशा एवं विश्वास है कि कुशल प्राचार्य एवं शिक्षकों के नेतृत्व में शिक्षाशास्त्र के विद्यार्थी अवश्य लाभान्वित होंगे और अपने भविष्य को उज्जवल बनायेंगे।

अर्थशास्त्र विभाग

महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही स्नातक स्तर पर अर्थशास्त्र विषय का पठन–पाठन शुरू हुआ। प्राध्यापक के रूप में श्री ए.के. श्रीवास्तव (1966) तथा श्री भरत सिंह (1967) का चयन लेक्चरर के रूप में हुआ। महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के पहले विभागाध्यक्ष श्री ए.के. श्रीवास्तव हुये। महाविद्यालय में वर्ष 1971 से स्नातकोत्तर स्तर पर अर्थशास्त्र विषय की कक्षाऐं संचालित हुई जिसमें डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा (1971) का चयन रीडर पद पर हुआ तथा श्री हरिमोहन श्रीवास्तव (1972), डॉ शान्ति स्वरूप अग्निहोत्री (1973) तथा श्री अतहर अली सिद्दीकी (1974) का चयन लेक्चरर के रूप में हुआ। अर्थशास्त्र विभाग के अगले विभागाध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा बने। महाविद्यालय के एक मात्र शिक्षक डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा जो आयोग से चयनित होकर गोला गोकर्णनाथ पी.जी. कालेज, लखीमपुर खीरी के प्राचार्य बनें। अर्थशास्त्र विभाग के अगले विभागाध्यक्ष क्रमशः श्री ए. के. श्रीवास्तव, श्री भरत सिंह एवं श्री सिद्दीकी रहे। अर्थशास्त्र विभाग का यह सौभाग्य है कि महाविद्यालय के पहले प्राचार्य श्री अवध बिहारी मिश्रा, प्राचार्य श्री हरिनाथ शुक्ला तथा प्राचार्य महावीर प्रसाद जौहरी अर्थशास्त्र विषय से सम्बन्धित थे। अर्थशास्त्र विभाग के कई पूर्व छात्र–छात्राएं देश की प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित होकर हरदोई जिले एंव प्रदेश का नाम रोशन किया।

वर्तमान में आयोग से चयनित डॉ. शिवेन्द्र सिंह (2018) अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवायें दे रहें है। डॉ सिंह का एम.फिल गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गॉधीनगर तथा पी.एच.डी. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी एंव गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ (आई.सी.एस.एस.आर संस्थान) के संयुक्त तत्वावधान में हुई। डॉ सिंह को शोध कार्य के लिये आई.सी.एस.एस.आर इंस्टीटुय्शनल डाक्टोरल फेलोशिप प्राप्त हुयी।आयोग से अर्थशास्त्र विषय में चयनित श्री गोविन्द सिंह, श्री सचिन सिंह एंव श्री अमित कुमार वर्ष 2022 से महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में कार्यरत हैं। वर्तमान में श्री गोविन्द सिंह एंव श्री सचिन सिंह को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज से सम्बन्धित विषय में पी.एच.डी. कर रहे हैं। श्री गोविन्द सिंह एंव श्री सचिन सिंह अर्थशास्त्र विषय में जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जे.आर.एफ.) हुआ। अर्थशास्त्र विभाग का यह सौभाग्य है कि श्री अमित कुमार अर्थशास्त्र विषय से इसी महाविद्यालय से एम.ए. उत्तीर्ण किया तथा वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में पी.एच.डी. कर रहे हैं। अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षकों के 06 स्वीकृत पदों में वर्तमान में 04 शिक्षक कार्यरत हैं तथा 02 पद रिक्त हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर 60 सीटें विद्यार्थियों हेतु स्वीकृत हैं तथा स्नातक स्तर पर 240 सीटें स्वीकृत हैं।

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा पर्यावरण, अर्थव्यवस्था एवं विकास के शीर्षक पर 13.12.2022 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो0 मोहम्मद मुजम्मिल (पूर्व कुलपति) थे। विभाग के शिक्षकों द्वारा परास्नातक स्तर पर अर्थशास्त्र विषय के छात्र–छात्राओं के लिए एक विभागीय पुस्तकालय बनायी गयी है, जिसमें विषय की सभी महत्वपूर्ण पुस्तकें अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं।लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के शोध विकास समिति एंव अर्थशास्त्र विभाग के विभागीय शोध समिति द्वारा डॉ. शिवेन्द्र सिंह को पी.एच.डी.शोध पर्यवेक्षक अनुमोदित किया गया है। वर्तमान में महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में पी.एच.डी. शोध कार्य प्रारम्भ हो गया है। विभाग के गत वर्षों के कई छात्र–छात्राओं का चयन विभिन्न सरकारी संस्थाओं(टी0जी0टी0, पी0जी0टी0 व डी0एस0एस0बी0) एवं सार्वजनिक तथा निजी बैंकिंग क्षेत्र में हुआ है। विभाग का उद्देश्य बी.ए. तथा एम.ए. के छात्र–छात्राओं को शोध कार्य के लिये प्रेरित करना, स्वरोजगार तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना एंव मूल्यवर्धित शिक्षा के लिये विद्यार्थियों को प्रेरित करना है।

भूगोल विभाग

सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज, हरदोई में भूगोल विभाग की स्थापना सन् 1992 में हुई थी। डॉ0 बी0डी0 शुक्ल जी को इसका संस्थापक विभागाध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त हुआ। शासन द्वारा परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए कुल चालीस सीटें स्वीकृत है। "We are citizens of planet earth" के ध्येय पर सतत् क्रियाशील यह विभाग समीपवर्ती जनपदों के छात्र/छात्रा यथा– कन्नौज, फर्रूखाबाद, शाहजहाँपुर, लखीमपुर, सीतापुर, लखनऊ भी यहाँ अध्ययन करने आते हैं विभाग का विभागीय पुस्तकालय नवीनतम पुस्तकों, एटलसों, मासिक व वार्षिक पत्रिकाओं, पर्यटन गाइड, रोड विभिन्न प्रकार के 2–डी, 3–डी मानचित्रों, ग्लोब से समृद्ध/मैप पुस्तकालय के साथ–साथ विभाग की अपनी एक प्रयोगशाला भी है। दो पुस्तकालय सहायक का पद सृजित है किन्तु वर्तमान में सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त है। उपकरणों, कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर से सुसज्जित है।

भूगोल विभाग में शासन के द्वारा शिक्षकों के कुल 08 पद सृजित हैं। वर्तमान में सभी पदों पर सुयोग्य शिक्षक कार्यरत हैं। डॉ0 पुष्पा रानी गंगवार के नेतृत्व में प्रो0 जितेन्द्र सिंह चौहान, प्रो0 राकेश सिंह, प्रो0 अमित कुमार, प्रो0 अरूण कुमार मौर्य, प्रो0 अजय कुमार शुक्ल, प्रो0 ईश्वर दीन तथा प्रो0 रजनीश कुमार एण्ड टीम के रूप में अपनी विषय विशेषज्ञ सेवायें महाविद्यालय को प्रदान कर रहे हैं।

महाविद्यालय की भूगोल फैकल्टी मेम्बर्स की संख्या के आधार लखनऊ विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा विभाग है ही साथ ही गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा तथा विशेषज्ञता के आधार पर यह पूरे प्रदेश का सबसे प्रतिष्ठित भूगोल विभाग है।

विभाग को प्रदेश स्तर पर भौगोलिक अध्यापन का उत्कृष्टता का केन्द्र है, यहाँ शिक्षण अधिगम, फील्ड वर्क तथा शोध अनुसंधान में नई तकनीकी तथा नवाचारों का प्रयोग करके विषय को रूचिकर, बोधगम्य और सरल बनाकर शैक्षिक पर्यटन, भ्रमण, क्षेत्र–सर्वेक्षण के द्वारा विषय को समाजोन्मुख, स्वरूप दिया गया है। आई0टी0, जी0ई0एस0 तथा रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग द्वारा विषय की व्यापकता को बढ़ाने के लिए योग्य एवं मेधावी विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाओं का नियमित संचालन किया जाता है।

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

Saga of the journey of the Department of Political Science in CSN PG College is as old as the one of the institution itself as the teaching in the subject started at Graduate level since the inception of the institution way back in 1965.That was the time when Higher Education in a poor and backward district like Hardoi was more of a dream than reality. Dream came true as vision of Freedom Fighter Babu M.L.Verma bore fruits and CSN College became a reality here when there was no Centre of Higher Education in and around the radius of 50 km of Hardoi. In the beginning of 70s teaching started being imparted in the subject at Post Graduation level along with four other subjects and UGC undertook it in its list under 2f and 12b. Ever since the department has been pioneer in many respects in being harbinger of many a rich tradition in the college like starting the Welcome and Farewell functions in line with the tradition of premier universities of the state, holding of moot parliament and publishing its own magazine of the department. When the undersigned joined the institution having the distinction of first and only JRF not only in the department but in the entire district and first to join the department having been selected through Higher Education Commission. The subject became very popular that it was allotted 120 seats in M.A.whereas other subjects of the college were allotted to the maximum of only 60 seats each.

At that time academic environment was so befitting the academic tradition that college ran in three shifts, as the institution lacked infrastructure and classes started to run from 8.00am and continued till 4.20 pm with full attendance. There used to be tremendous pressure for admission in the college as it was the premier institution in the district. The department was fortunate in being endowed with abled faculty members led by then renowned scholar of the subject Dr.P.N.Bajpai who acted as Principal also.

The Department was embellished with such jewels as Dr M.A. Khan, Mrs Sarla Bajpai, Mr S.S. Awasthi and Mr A.C. Bajpai, all products of highly reputed Department of Political Science, University of Lucknow. Many times the students of the department stood first in the entire college in MA Exam of the University,at times with rank in the University and qualified for special scholarship which ran in the name of the Founder of the college and thus added further grandeur to the department. Many students of the department have joined reputed posts in different walks of life as it was evident from alumni meet.

As the long lifeline of any person is not the straight one and has its own highs and lows so was the case with the Department and the Institution as well.There was mushroom growth of self - financed institutions all around the district leading to the abrupt drop in the admission. Education became a commodity which could be sold and purchased in the market.

This was compounded with ever increasing graph of retiring teachers.The department too had to bear the brunt of the retiring teachers as the undersigned was left alone in 2010 as all others retired and had to bear the burden and run the department single handedly for nearly a decade. Attendance dropped from the classrooms to the vanishing point more because of the fact that students appeared reluctant to come just for one class in a day as others departments too suffered the similar fate.

Then the Pandemic sucked the department and the institution further deep into the quagmire to the extent that Institution touched the rock bottom making all the more difficult to extricate it from there. There is a saying if the autumn is around can spring be far behind. Phoenix like resurrection awaited the Institution and the department as well. New dawn descended, Corona receded and teachers started joining the institution, new Principal Prof.K.K.Singh joined who luckily happened to be of the same subject asof the department. He cooperated and put in labor in uplifting the department by sharing half of my burden in imparting teaching both in UG & PG levels. Academic environment which was badly vitiated was put back to track. Admission graph once again rose very high and left all other departments behind.

As the wheel of fortune turned three new Assistant Professors, namely, Dr. Mithilesh Kumar Singh, Dr. Ankit Pathak and Dr. Akhilesh Kumar joined the department. The youthful exuberance of the three new faculty members will take the department to scale new height and help acquire the pinnacle of its glory. They have already successfully started running Seminar Library in the departmental room which was a thing of the past and thus added yet another feather in the cap of the Department.

Dr Sandeep Kumar Sinha,
Professor.

DEPARTMENT OF ENGLISH

Along with the establishment of the college in the year 1965 the Department of English with the Undergraduate courses was founded by Mr. S.M.L. Verma and Mr. B.V.L Mishr served the college as English faculty where Mr. S.M.L Verma was the first Head of the Department. Leading the college in English language and providing them with the best of the knowledge, the college has seen a glorious time under their guidance.

At present, Miss Shaiwal Kanaujia and Miss Priya Sharma, who are selected from the Higher Education, are serving the department as Assistant Professors. The Head of the Department, Miss Shaiwal Kanaujia, teaches Poetry and Drama while Miss Priya Sharma is mastering Prose and Short Stories.

The two young professors in the department aim to enhance the understanding of English language and create interest in the students for English literature. Our aim is to bring out the creative side of the students by helping them understand poetry, dramas and stories so that they can voice their thoughts in verse and prose.

हिंदी विभाग

महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य की कक्षाएं 1965–66 से आरंभ हुईं तथा हिंदी परास्नातक कक्षाएं 1969–70 से आरंभ हुईं। महाविद्यालय में 10.10.1965 से डॉ दुर्गा प्रसाद गौड़ द्वारा शिक्षण आरंभ हुआ जो अद्यतन विभिन्न प्राध्यापकों के कुशल अध्यापन में निरंतर प्रगति पर है। महाविद्यालय में हिंदी विषय में शोधकार्य की एक सुदीर्घ परंपरा निरंतर गतिमान है। महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉ शिवबालक शुक्ल द्वारा रचित **''श्रवण कुमार''** नामक खंडकाव्य माध्यमिक शिक्षा परिषद के इंटरमीडियट के पाठ्यक्रम में सम्मिलित है। शुक्ल जी ने अनेक निबंध लिखे जिनमे प्रमुख निम्न हैं - वां ङ्मय काव्य तथा साहित्य , तुलसी का व्यंजना कौशल , रामचंद्रिका में महाक ाव्यत्व, नाटक और उपन्यास में अंतर , कहानी तथा गद्य की कुछ विधाएं, कामायनी का महाकाव्यत्व , साकेत का नायक आदि। इसके अतिरिक्त इनका एक काव्यसंग्रह ''उद्भावना'' है। पूर्व प्राध्यापक डॉ शिवस्वरूप तिवारी ने भी सुहासिका , गौधूरि और नागफनी के दंश आदि अनेक रचनाओं से साहित्य की श्रीवृद्धि की है। डॉ श्रीचंद्र सिंह हिंदी एवम साहित्य के मर्मज्ञ विद्वान हैं। कथा साहित्य पर उनका विशिष्ट अधिकार है। ''इक्कीसवीं सदी का ट्रेडमार्क '' इनका सुप्रसिद्ध कहानी संग्रह है। वरिष्ठ कवि एवम साहित्यकार डॉ विद्यासागर वर्मा , डॉ गिरीश्वर मिश्र , डॉ वंशगोपाल गुप्ता , डॉ देवता प्रसाद त्रिपाठी आदि विभिन्न पूर्व विद्वान आचार्यों ने हिंदी विभाग को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

संप्रति हिंदी विभाग में पांच प्राध्यापक कार्यरत हैं श्रीमती साधना शुक्ला (असिस्टेंट प्रोफेसर/विभागाध्यक्ष) डॉ०दीपक राय (असिस्टेंट प्रोफेसर) , श्री कुश कुमार(असिस्टेंट प्रोफेसर) , श्री मणिपाल सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर) व श्री श्रवण कुमार गुप्त(असिस्टेंट प्रोफेसर)। हिंदी विभाग के कई पूर्व छात्र/छात्राएं उच्च शिक्षा विभाग में प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं जैसे :– डॉ०आशा मिश्रा , डॉ०राघवेंद्र मिश्र , डॉ०आरती मिश्रा व डॉ०संतोष द्विवेदी आदि। हिंदी विभाग में 2020 से 2023 तक अनेक छात्र/ छात्राओं ने JRF व NET उत्तीर्ण किया है- मिथिलेश कुमार JRF, नीलू गुप्ता JRF, काजल शुक्ला NET, प्रीति यादव NET, अंजलि शर्मा NET ।

महाविद्यालय का हिंदी विभाग अपने स्वर्णिम अतीत को सहेजे हुए कर्मठ व विद्वान आचार्यों के समर्पित अध्यापन एवं यशस्वी प्राचार्य प्रो० कौशलेंद्र कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में निरंतर प्रगति के पथ पर गतिमान है।

इतिहास विभाग

महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही स्नातक स्तर पर इतिहास विषय का पठन–पाठन शुरू हुआ जो लगातार सुचारू रूप से चलता रहा है। वर्तमान में श्री कृष्ण लाल जी अतिथि प्रवक्ता, विभागीय प्रभारी के रूप में अपनी सेवायें दे रहें।

गैर शैक्षणिक कार्यक्रम–

Sports
NCC
NSS
ROVERS/RANGERS
सेमिनार/प्रतियोगिता

कार्यक्रम एवं सुविधाएं –

खेल शारीरिक एवं मानसिक उन्नति के लिए एक आवश्यक पाठ्यक्रम है। प्रदेश एवं केन्द्र की सरकार ने भी खेल को अपने शीर्ष प्राथमिकता में स्थान दिया है। सी.एस.एन.पी.जी. कॉलेज में भी राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले खेल आयोजित किए जाते हैं।

- ❖ महाविद्यालय में प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक बाबूजी मोहनलाल वर्मा के जन्म दिवस 12 अक्टूबर से वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।
- ❖ महाविद्यालय में बाबू जी की पुण्यतिथि 09 जनवरी से खेल प्रतियोगिताएं (मुख्यतः क्रिकेट, खो–खो) आयोजित की जाती है।

सुविधाएं–

- ❖ महाविद्यालय में जिले का सबसे बड़ा क्रीड़ा मैदान है
- ❖ महाविद्यालय में क्रिकेट हेतु मैदान उपलब्ध है।
- ❖ एथलेटिक्स हेतु भी महाविद्यालय में पर्याप्त मैदान उपलब्ध है।
- ❖ खो–खो एवं कबड्डी ट्रैक।
- ❖ बालीवाल एवं बास्केटबाल फील्ड/कोर्ट ।
- ❖ बैडमिन्टन फील्ड/कोर्ट ।
- ❖ टेबल टेनिस कोर्ट आदि ।
- ❖ इनडोर गेम्स (शतरंज, कैरम, आदि) की भी पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है।
- ❖ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु खेल अकादमी की उपलब्धता भी है।
- ❖ महाविद्यालय के विद्यार्थियों को समय–समय पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खेलों में प्रतिभाग करने की सुविधा उपलब्ध है।
- ❖ महाविद्यालय से चयनित खिलाड़ी को जिला स्थित स्टेडियम में खेलने की सुविधा।
- ❖ समय–समय पर खेल विशेषज्ञों द्वारा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन की भी सुविधा।

क्रीड़ा विभाग – प्रभारी
श्री राकेश सिंह
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
भूगोल विभाग

रोवर्स/रेन्जर्स –

महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्व की समझ, विपरीत परिस्थितियों में कार्य करना, जनजागरूकता, राष्ट्र के प्रति संवेदनशील, धर्म, जाति, वर्ग लिंग के परे होकर सेवा प्रदान करने की भावना जागृत करने के लिए रोवर्स/रेंजर्स इकाई की स्थापना की गई है। प्रति वर्ष विशेष कैम्प लगाकर विद्यार्थियों को रोवर्स/रेंजर्स का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त रोवर्स/रेंजर्स का सर्टिफिकेट दिया जाता है। महाविद्यालय में 2 यूनिट रोवर्स एवं 2 यूनिट रेंजर्स का गठन है।

रेंजर्स प्रभारी– डॉ0 पी0आर0 गंगवार
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
भूगोल विभाग

रोवर्स प्रभारी– डॉ अरूण कुमार मौर्य
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
भूगोल विभाग

रोवर्स/रेंजर्स नवयुवकों के लिए एक स्वयं सेवी, गैर–राजनीतिक शैक्षिक आन्दोलन है जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए बिना किसी जाति, वंश तथा धर्म के भेद–भाव के खुला है। यह 1907 में संस्थापक लार्ड बैडेन पावेल द्वारा संचालित किये गये लक्ष्य सिद्धांत तथा पद्धति के अनुरूप है।

रोवर्स/रेंजर्स का दूसरे के प्रति कर्तव्यः– स्थानीय राष्ट्रीय, तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शान्ति, समझ और सहयोग की भावना से समन्वय रखते हुए अपने देश के प्रति वफादार होना।

अपने साथियों की गरिमा तथा विश्व प्रति की अखण्डता के लिए अभिज्ञान तथा सम्मान के साथ समाज के विकास के भाग लेना।

उद्देश्य– रोवर्स/रेंजर्स आन्दोलन का उद्देश्य नवयुवकों के विकास में इस तरह योगदान करना है जिससे उनकी पूर्ण शारीरिक,भौतिक, सामाजिक, अध्यात्मिक तथा सांवेगिक अन्तः शक्ति को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नागरिकों के रूप में यथा स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों के रूप में प्राप्त किया जा सके।

NCC

❖ National Cadet Corps-

NCC was first by started in 1666 in Germany The NCC in India was raised on 15 July 1948 under the National Cadet Corps Act 1948. It can be traced back to the "University Corps" Which was created under Indian Defense Act 1917, with the objective to make up for the shortage in the Army. Today the NCC has an enrolled Strength of more than 13.5 lakh's cadet and it basically comprises of two divisions of all the three services ie the Senior Division (SD) for boys and Senior Wing (SW) for girls.

❖ **Motto of NCC**

Unity and Discipline **(एकता और अनुशासन)**
four cardinal principals of discipline-
01-obey with a smile 02- be Punctual
03-work hard and without fears
04-make no excuses and tell no lies

❖ **Aim of NCC**

1. To develop qualities of development of character, comradeship, discipline, secular outlook, sprit of Adventure, sportsmanship, ideals of selfless services among the youth of the country.
2. To create human resources of organized, trained and motivated youth, to provide leadership in all walks of life and always be available for the service of Nation.
3. To provide a suitable environment to motivate the youth to take up a career in the Armed Forces.

❖ **NCC in CSN college**

The NCC Unit in CSN College Hardoi was started in 1972. College NCC sanctioned by 63 UP Battalion NCC Lucknow University, Lucknow with 55 cadet strength (SD and SW).

❖ **Associated NCC Officer (ANO) in CSN**

Lt. Amit Kumar
Assistant Professor & ANO
Deptt. of Geography
Mobile. 8077140017

प्रवेश समिति :–

महाविद्यालय में सत्र 2023–24 की प्रवेश परीक्षा, काउन्सिलिंग, विषय का आवण्टन, प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय की प्रवेश समिति के माध्यम से होगा। प्राचार्य की अध्यक्षता में प्रवेश समिति द्वारा प्रवेश सम्बंधी लिये गये निर्णय, प्रवेशार्थी के लिए मान्य होगा। प्रवेश पर अन्तिम निर्णय लेने का अधिकार कॉलेज प्राचार्य का होगा। जो सभी को मान्य होगा।

01– प्रोफेसर कौशलेन्द्र कुमार सिंह प्राचार्य	अध्यक्ष
02– डॉ0 अरूण कुमार मौर्य असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संयोजक
03– श्री अमित कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल	सह–संयोजक
04– डॉ0 शिवेन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र	सदस्य
05– डॉ0 दीपक कुमार राय असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी	सदस्य
06– श्री कुश कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी	सदस्य
07– श्री विनय शील असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी	सदस्य
08– सुश्री शैवाल कनौजिया असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	सदस्य
09– डॉ0 अंकित पाठक असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सदस्य

अनुशास्ता मण्डल

01–	डॉ0 पुष्पारानी गंगवार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	चीफ् प्राक्टर
02–	डॉ0 शिवेन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र,	उप–प्राक्टर
03–	श्री राकेश सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सह–प्राक्टर
04–	डॉ0 दीपक कुमार राय असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी	सह–प्राक्टर
05–	श्री श्रवण कुमार गुप्त असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी	सह–प्राक्टर
06–	श्रीमती सरिता वर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर समाजशास्त्र,	सह–प्राक्टर
07–	श्री राम उग्र असिस्टेन्ट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र,	सह–प्राक्टर
08–	सुश्री शैवाल कनौजिया असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी,	सह–प्राक्टर
09–	डॉ0 अंकित पाठक असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सह–प्राक्टर
10–	श्री सचिन सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र	सह–प्राक्टर

क्रीड़ा परिषद

01–	डॉ0 कौशलेन्द्र कुमार सिंह, प्राचार्य,	संरक्षक
02–	डॉ0 पुष्पारानी गंगवार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	अध्यक्ष
03–	श्री जितेन्द्र सिंह चौहान असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	उपाध्यक्ष
04–	श्री राकेश सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सचिव
05–	श्री राम उग्र गोस्वामी असिस्टेन्ट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र,	सह–सचिव
06–	श्री अमित कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल	सदस्य
07–	श्री अजय कुमार शुक्ला असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सदस्य
08–	श्री ईश्वरदीन असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सदस्य
09–	डॉ0 रजनीश कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सदस्य
10–	श्री वीर पाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र	सदस्य
11–	सुश्री प्रिया शर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	सदस्य
12–	श्री गोविन्द सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र	सदस्य
13–	डॉ0 अखिलेश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सदस्य

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

01–	श्रीमती साधना शुक्ला, असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी,	संयोजक
02–	डॉ0 दीपक कुमार राय, असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी,	सह–संयोजक
03–	डॉ0 पुष्पारानी गंगवार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सदस्य
04–	श्री मणिपाल सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी,	सदस्य
05–	श्रीमती सरिता वर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर समाजशास्त्र	सदस्य
06–	श्री वीर पाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र	सदस्य
07–	सुश्री शैवाल कनौजिया असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	सदस्य
08–	सुश्री प्रिया शर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	सदस्य
09–	डॉ0 मिथलेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सदस्य
10–	डॉ0 अंकित पाठक, असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सदस्य
11–	श्री अमित कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र,	सदस्य

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापक

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी

सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई के शिक्षणेत्तर कर्मचारी

सुश्री रागिनी सिंह,
कार्यवाहक कार्यालय अधीक्षक

श्री राम लड़ैते वर्मा
वरिष्ठ लिपिक

श्री माया प्रकाश
वरिष्ठ लिपिक

श्री आशुतोष सिंह
लिपिक

श्री अनिल कुमार गुप्ता
पुस्तकालय–लिपिक

श्री सन्तोष कुमार
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री अनंगपाल यादव
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री अरविन्द कुमार सिंह
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री रावेन्द्र कुमार
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री विवेक कुमार
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

महाविद्यालय में स्थापित महान विभूतियों की प्रतिमाएं

संस्थापक स्व0 बाबू मोहन लाल वर्मा

बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर

अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद

टैबलेट एवं स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम

महाविद्यालय के अन्य कार्यक्रम

हिन्दी दिवस पर दो छात्राओं को मिला पुरस्कार

हरदोई : छात्रा को पुरस्कृत करते प्राचार्य डॉ. कौशलेन्द्र कुमार सिंह। फोटो : एसएनबी

हरदोई (एसएनबी)। विश्व हिन्दी दिवस पर शहर के सीएसएन कालेज में हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सत्र 2020-21 में एमए द्वितीय वर्ष की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली दो छात्राओं को डॉ. शिव स्वरूप तिवारी स्मृति पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इन छात्राओं में प्रथम कु. काजल शुक्ला को 11 हजार रुपए व द्वितीय कु. अनीता देवी को 5 हजार रुपए की धनराशि कालेज के प्राचार्य डॉ. कौशलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा प्रदान की गयी। प्राचार्य डॉ. सिंह ने कहा कि यह गौरव का विषय है कि डॉ. शिव स्वरूप तिवारी जैसे हिन्दी के मर्मज्ञ विद्वान व बहुमुखी प्रतिभा के रचनाकार ने हिन्दी विभाग के आचार्य के रूप में महाविद्यालय की शोभा बढ़ाई। प्रो. अखिलेश वाजपेयी ने डॉ. शिव स्वरूप तिवारी को एक महान साहित्यकार बताया। पूर्व प्राचार्य डॉ. नरेश चन्द्र शुक्ल ने स्व. डॉ. तिवारी को प्रादेशिक स्तर पर दिये गए सम्मानों की चर्चा की। डॉ. देवदीपक शुक्ल ने डॉ. तिवारी के जीवन परिचय से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक राय ने किया। इस अवसर पर कालेज की हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. साधना शुक्ला, डॉ. जितेन्द्र सिंह, डॉ. अरुण कुमार, कुश कुमार, रश्मि मिश्रा, पूजा गुप्ता, रागिनी गुप्ता, संतोष कुमार, विवेक कुमार, वरिष्ठ लिपिक आशुतोष सिंह, अमित कुमार, संतराम सहित शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

युवा महोत्सव–2022

केन सोसायटीज़ नेहरू पी.जी. कॉलेज, हरदोई
युवा महोत्सव - 2022
श्रीमती सुमित्रा सिंह स्मृति व्याख्यान
विषय : राजनीति के बदलते संदर्भ
प्रो. आर.के. मिश्रा

युवा महोत्सव - 2022
अकादमिक व्याख्यानमाला
विषय :- भारतीय संस्कृति और हिन्दी साहित्य
दिनांक :- 17 दिसम्बर 2022 दिन - शनिवार समय - प्रातः 10:00 बजे
प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रो. राजेश मल्ल

केन सोसायटीज़ नेहरू पी.जी. कॉलेज, हरदोई
युवा महोत्सव - 2022
अकादमिक व्याख्यानमाला
समाजशास्त्र विभाग

युवा महोत्सव- 2022
अकादमिक व्याख्यानमाला

वाद-विवाद प्रतियोगिता
श्री मोहित अग्रवाल
युवा महोत्सव - 2022

वाद-विवाद प्रतियोगिता
श्री मोहित अग्रवाल
फूलचन्द्र गारमेन्ट्स

वाद-विवाद प्रतियोगिता
श्री मोहित अग्रवाल

भाषण प्रतियोगिता

वर्ष 2021
विजेता
₹ 10,000/-
विजेता
-आयोजक :-
सी.एस.एन (पी.जी) कालेज,

क्रीड़ासम्बन्धी गतिविधियाँ

स्व. ओमप्रकाश सिंह
पुरस्कार वितरण समारोह
दिनाँक - 16 दिसम्बर 2022 समय - अपरान्ह् 01 बजे
मुख्य अतिथि :- माधवेन्द्र प्रताप सिंह 'रानू'
COSCO

स्व. ओमप्रकाश सिंह स्मृति
कबड्डी व वॉलीबाल प्रतियोगिता
पुरस्कार वितरण समारोह
दिनाँक - 16 दिसम्बर 2022 समय - अपरान्ह 01 बजे
मुख्य अतिथि :-
स्व. ओमप्रकाश सिंह

(सहयुक्त : लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ उ0प्र0)
युवा महोत्सव - 2022
विजेता टीम
इक्कीस हजार मात्र/-
₹ 21,000
आयोजक-सी.एस.एन.(पी.जी.) कालेज, हरदोई

(सहयुक्त : लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ उ0प्र0)
युवा महोत्सव - 2022
बाबू मोहन लाल वर्मा क्रिकेट प्रतियोगिता - 2022
उपविजेता टीम
₹ 11,000
रुपये- ग्यारह हजार मात्र/-
आयोजक-सी.एस.एन.(पी.जी.) कालेज, हरदोई

अमृत महोत्सव
(सहयुक्त : लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ उ0प्र0)
युवा महोत्सव - 202
भूगोल विभा
हरदोई

(सहयुक्त : लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ उ0प्र0)
युवा महोत्सव - 2022

स्व. ओमप्रकाश सिंह
पुरस्कार वितरण समारोह
दिनाँक - 16 दिसम्बर 2022 समय - अपरान्ह 01 बजे
मुख्य अतिथि :- माधवेन्द्र प्रताप सिंह 'रानू'

स्व. ओमप्रकाश सिंह स्मृति
कबड्डी व वॉलीबाल प्रतियोगिता
पुरस्कार वितरण समारोह
दिनाँक - 16 दिसम्बर 2022 समय - अपरान्ह 01 बजे
मुख्य अतिथि :- माधवेन्द्र प्रताप सिंह 'रानू'
स्व. ओमप्रकाश सिंह

स्व. ओमप्रकाश सिंह स्मृति
कबड्डी व वॉलीबाल प्रतियोगिता
पुरस्कार वितरण समारोह
दिनाँक - 16 दिसम्बर 2022 समय - अपरान्ह 01 बजे
मुख्य अतिथि :- माधवेन्द्र प्रताप
स्व. ओमप्रकाश सिंह

(सहयुक्त : लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
युवा महोत्सव
19 दिसम्बर

एन.सी.सी कार्यक्रम एवं परेड

प्रत्येक वर्ष महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट को चयन आर्मी,उ0प्र0 पुलिस, एस.एस.सी. जी.डी आदि में होता है।

<u>वर्ष 2022–23 में चयनित एन.सी.सी. कैडेट के नाम :–</u>

01–आदित्य प्रताप सिंह

02–शिवानी सिंह

03–सोनू सिंह

एन.एस.एस. कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार का लोक सेवा कार्यक्रम है जो कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित होता है इसकी शुरूआत गांधी जी की शताब्दी वर्ष 1969 में हुई।

उद्देश्य– मैं नहीं आप Not me but you

NSS- in CSN. P.G. College

हरदोई में एक इकाई (100) स्वयं सेवक की संचालित है इच्छुक छात्र/छात्राएं इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। स्वयं सेवकों NSS का आवंटन आरक्षण के नियमों के अनुसार किया जाता हैं।

सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई की एन.एस.एस. इकाई द्वारा समय–समय पर एक दिवसीय एव 07 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है एक दिवसीय कार्यक्रम की एक झलक :–

जितेन्द्र सिंह चौहान
अतिसिस्टेण्ट प्रोफेसर/प्रभारी NSS

राष्ट्रीय सेवा योजना
सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान
सी.एस.एन.(पी.जी.) कालेज, हरदोई

राष्ट्रीय सेवा यो
सड़क सुरक्षा जागरूकत
सी.एस.एन.(पी.जी.) काले

राष्ट्रीय सेवा योजना
सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान
सी.एस.एन.(पी.जी.) कालेज, हरदोई
27/05/2022 10:11

राष्ट्रीय सेवा योज
सड़क सुरक्षा जागरूकता
सी.एस.एन.(पी.जी.) काले
27/05/2022 10:15

महाविद्यालय में स्थापित कैन्टीन का एक दृश्य

महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियाँ

समाचार पत्रों में महाविद्यालय

पितृ एवं गुरु ऋण को हमेशा याद रखना चाहिए

सीएसएन महाविद्यालय में शुरू हुआ 10 दिवसीय युवा महोत्सव, पहले दिन हाईकोर्ट के न्यायाधीश मनीष कुमार ने किया उद्घाटन

युवा महोत्सव में सरस्वती वंदना प्रस्तुत करती छात्राएं। संवाद

कार्यक्रम को संबोधित करते न्यायाधीश मनीष कुमार। संवाद

कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राएं। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

हरदोई। केन सोसायटीज नेहरू पीजी कॉलेज में नई शिक्षा नीति के प्रति छात्र-छात्राओं को जानकारी देने और उनके विचार जानने के लिए 10 दिवसीय युवा महोत्सव शनिवार को शुरू हुआ। महोत्सव में कहा गया कि पितृ और गुरु ऋण को हमेशा याद रखना चाहिए।

उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के न्यायाधीश मनीष कुमार ने कहा कि माता-पिता जन्म से लेकर युवावस्था तक देखभाल करते है और यह आपका मानवाधिकार है, परंतु सफलता मिलने के बाद माता-पिता को भूलना नहीं चाहिए, बल्कि उनकी हर संभव देखभाल कर अपना कर्तव्य निभाएं।

इसके साथ ही गुरु की अच्छी शिक्षा के बिना कोई भी व्यक्ति सफलता हासिल नहीं कर सकता है, इसलिए गुरु का सदा आदर करें। कार्यक्रम में प्राचार्य कौशलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि युवा महोत्सव को आयोजन जिलाधिकारी की प्रेरणा से बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

न्यायाधीश मनीष कुमार ने कॉलेज परिसर में चंद्रशेखर आजाद, कॉलेज संस्थापक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोहन लाल वर्मा और डा. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। यहां जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी और प्रभारी जिला जज सुनील कुमार सिंह ने दीप जलाकर युवा महोत्सव का शुभारंभ किया।

छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी के साथ 10 दिन होने वाली खेल प्रतियोगिताएं का प्रारंभ गुब्बारे उड़ाकर किया और प्रतियोगी छात्रों से परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दैनिक जागरण लखनऊ, 11 दिसंबर, 2022

लोगों की अपनी संपत्ति मानवाधिकार

सीएसएन पीजी कालेज में हुआ युवा महोत्सव का आगाज

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नन्हे मुन्नों ने लुभाया

जीएसटी टीम ने कपड़े की दुकान पर की जांच

गायन में यासिर ने मारी बाजी

जासं, हरदोई: सीएसएन पीजी कालेज में चल रहे युवा महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को इंदुभूषण दीक्षित स्मृति गायन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें जिले के लगभग 60 प्रतिभागियों ने शिरकत की। रफी अहमद किदवई इंटर कालेज के यासिर को प्रथम पुरस्कार, रफी अहमद किदवई इंटर कालेज के ही सौरभ वर्मा को द्वितीय पुरस्कार, जीडीसी की छात्रा शक्ति मिश्रा को तृतीय पुरस्कार दिया गया। पारुल दीक्षित ने विजयी प्रतिभागियों को संयुक्त रूप से मेडल और प्रमाण-पत्र का वितरण कर पुरस्कृत किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में हरदोई लायंस एवं लीजेंड-11 के बीच मैच हुआ, जिसमें लीजेंड-11 की टीम विजेता रही।

दूसरा मैच बालाजी-11 और सुमई क्रिकेट क्लब के बीच हुआ, जिसमें बालाजी-11 की टीम विजेता रही। कालेज में समाजशास्त्र विभाग द्वारा अकादमी व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत वर्तमान समय में समाजशास्त्र की प्रासंगिकता विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। आंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के सामाजिक विज्ञान विभाग के डा. विभूति भूषण मलिक ने बताया कि समाजशास्त्र विषय की शुरुआत 19वीं शताब्दी में उपनिवेशवाद के दौरान विभिन्न देशों की जातियों धर्म एवं रीति-रिवाजों के अध्ययन के दौरान हुई। भारत में समाजशास्त्र एक विषय के रूप में आजादी के बाद से स्थापित होना शुरू हुआ है। डा. आंबेडकर ने हिंदू कोड बिल लाकर भारत में महिलाओं को एक सम्मान जनक स्थान प्रदान किया। भारत की आजादी के बाद से महिलाएं सामाजिक विज्ञान में अध्ययन के केंद्र में आ गईं। उन्होंने युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि समाज के विकास के लिए युवाओं को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर उसके लिए प्रयासरत होना चाहिए। आंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डा. अजय कुमार ने मदारी पासी के सामाजिक योगदान के बारे में विस्तार से बताया। कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेंद्र कुमार सिंह, पूर्व प्राचार्य एनसी शुक्ला मौजूद रहे।

गायन प्रतियोगिता में गीत गाती प्रतिभागी शिखा द्विवेदी • जागरण

epaper हिन्दुस्तान

युवा महोत्सव में मौजूद छात्र-छात्राएं व शिक्षक।

हरदोई, संवाददाता। सीएसएन पीजी कॉलेज में युवा महोत्सव के दूसरे दिन समाजशास्त्र विभाग द्वारा अकादमी व्याख्यान श्रृंखला के तहत वर्तमान समय में समाजशास्त्र की प्रासंगिकता विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

मुख्य वक्ता अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के सामाजिक विज्ञान विभाग के डॉक्टर विभूति भूषण मलिक, समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ.अजय कुमार ने मदारी पासी के सामाजिक योगदान के बारे में विस्तार से बताया। युवा महोत्सव की अगली कड़ी में दूसरे दिन इंदुभूषण दीक्षित स्मृति गायन प्रतियोगिता में जिले के लगभग 60 प्रतिभागियों ने शिरकत की। रफी अहमद किदवई इंटर कॉलेज के यासिर को प्रथम पुरस्कार, रफी अहमद किदवई इंटर कॉलेज के ही सौरभ वर्मा को द्वितीय पुरस्कार, जीडीसी की छात्रा शक्ति मिश्रा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

विजयी प्रतिभागियों को गायन प्रतियोगिता की प्रायोजक भाजपा नेत्री कल्पना पारुल दीक्षित एवं उनके पति व युवा नेता पारुल दीक्षित ने संयुक्त रूप से मेडल, प्रमाणपत्र एवं नकद धनराशि प्रदान की। जानकारी डॉ.दीपक कुमार राय मीडिया प्रभारी ने दी।

** **

भाग लेते प्रतिभागी • जागरण

अशोक यादव, जिला व्यायाम शिक्षक केबी अवस्थी व जिला व्यायाम शिक्षिका शिमला सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ। संचालन मनीष

... जिलाधिकारी एमपी सिंह ने खड़े होकर नेतृत्व करने वाले कक्षा एक के छात्र अजीत से हाथ मिलाया और शिक्षक रमेश कुमार समेत पूरी टीम की सराहना की। डीएम को पता चला कि बच्चों के माता पिता गरीब हैं तो सभी का नाम नोट कर उनसे वार्ता करने के लिए कहा।

सीमित व असीमित संसाधनों के मध्य समायोजन ही अर्थशास्त्र

सीएसएन डिग्री कालेज में गोष्ठी में बोलते मुख्य वक्ता प्रोफेसर मोहम्मद मुजम्मिल • जागरण

जासं, हरदोई : सीएसएन पीजी कालेज में युवा महोत्सव 2022 के चौथे दिन अर्थशास्त्र विभाग ने पर्यावरण अर्थव्यवस्था एवं विकास विषयक विचार गोष्ठी, सांस्कृतिक व क्रीड़ा प्रतियोगिता कराई।

कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर केके सिंह, आगरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति विख्यात अर्थशास्त्री प्रो. मोहम्मद मुजम्मिल ने गोष्ठी की शुरुआत की। अर्थशास्त्री प्रोफेसर मुजम्मिल ने कहा कि न्याय का क्षेत्र इतना व्यापक होना चाहिए, जिसमें पर्यावरण भी समाहित हो। सीमित एवं असीमित संसाधनों के मध्य समायोजन का अध्ययन ही अर्थशास्त्र कहलाता है। हरित उत्पाद पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है। गृह विभाग के पूर्व विशेष सचिव उत्तर प्रदेश डा. राकेश चंद्रा ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में मजबूती से आगे बढ़ रही है। एक समय ऐसा था जब भारत खाद्यान्न कपड़े एवं तमाम आवश्यक चीजों का विदेशों से आयात करता था, लेकिन हम इन तमाम क्षेत्रों में अग्रणी एवं आत्मनिर्भर हैं। डा. सचिन सिंह, डा. शिवेंद्र सिंह, प्रो. अमित कुमार, गोविंद सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। स्वर्गीय फूलचंद अग्रवाल स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 42 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। छात्रा निशा राठौर ने प्रथम व नेहरू युवा केंद्र के अनुभव मिश्रा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आयोजक मोहित अग्रवाल ने सभी विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत भाला फेंक बालक वर्ग में आनंद कुमार ने प्रथम, परमाईलाल ने द्वितीय व आकाश वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

epaper हिन्दुस्तान

युवा महोत्सव में चमके प्रतिभागी

14/12/2022

सीएसएसन कॉलेज में महोत्सव के बीच मैच शॉट लगाते खिलाड़ी। • हिन्दुस्तान

हरदोई, संवाददाता। सीएसएन युवा महोत्सव में अर्थशास्त्रत्त् विभाग की ओर से पर्यावरण अर्थव्यवस्था एवं विकास विषयक विचार गोष्ठी एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता हुई। इसमें स्व. फूलचंद अग्रवाल स्मृति वाद विवाद प्रतियोगिता में निशा अव्वल रहीं।

क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत भाला फेंक एवं गोला फेंक प्रतियोगिता के महिला-पुरुष वर्ग के मैच खेले गए। स्मृति वाद विवाद प्रतियोगिता में 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सीएनएन पीजी कॉलेज की बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा निशा राठौर ने प्राप्त किया। भाला फेंक बालक वर्ग में आनंद कुमार ने प्रथम स्थान, परमाई लाल ने द्वितीय स्थान व आकाश वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में अन्नपूर्णा ने प्रथम स्थान, अचला रावत द्वितीय स्थान व आंचल शुक्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक बालक वर्ग में प्रथम स्थान आनंद कुमार, द्वितीय स्थान आकाश वर्मा और तृतीय स्थान परमाई लाल ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्रत्त् विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ.सचिन सिंह ने किया। इस मौके पर अध्यक्ष डॉ.शिवेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर अमित कुमार, गोविंद सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉ.बीडी शुक्ला, प्रो.पुष्पा रानी गंगवार, डॉ.दीपक राय, डॉ.वीरपाल, डॉ.अंकित पाठक, प्रिया शर्मा, सरिता वर्मा, शैवाल कनौजिया उपस्थित रहे।

वाद विवाद में निशा व भाला फेंक में आनंद अव्वल

हरदोई : पुरस्कार वितरित करते प्राचार्य व मोहित अग्रवाल। फोटो : एसएनबी

हरदोई (एसएनबी)। शहर के सीएसएन महाविद्यालय में चल रहे युवा महोत्सव में मंगलवार को स्व. फूलचंद अग्रवाल स्मृति में आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में कुल 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सोशल मीडिया युवाओं के लिए वरदान या अभिशाप इसके पक्ष एवं विपक्ष में युवाओं ने जोरदार तर्क पेश किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीएनएन पीजी कालेज की बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा निशा राठौर ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान नेहरू युवा केंद्र से जुड़े अनुभव मिश्रा व तृतीय स्थान रफी अहमद किदवई इंटर कालेज के छात्र आयुष कटियार ने प्राप्त किया। सभी विजई प्रतिभागियों को मोहित अग्रवाल ने प्रशस्ति पत्र, मेडल व नकद राशि देकर धनराशि पुरस्कृत किया। क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत भाला फेंक बालक वर्ग में आनंद कुमार ने प्रथम स्थान, परमाई लाल ने द्वितीय व आकाश वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में अन्नपूर्णा ने प्रथम स्थान, अचला रावत ने द्वितीय व आंचल शुक्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक बालक वर्ग में प्रथम स्थान आनंद कुमार, द्वितीय आकाश वर्मा और तृतीय स्थान परमाई लाल ने प्राप्त किया।

कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

स्वामी विवेकानंद युवाओं के आदर्श : प्रो. उपाध्याय

हरदोई। सीएसएन पीजी कालेज में चल रहे युवा महोत्सव के पांचवें दिन अंग्रेजी विभाग द्वारा एकल व्याख्यान का आयोजन हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई। कालेज के सभागार में अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित इंडियन नालेज सिस्टम विषय पर एकल व्याख्यान आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर ओंकार नाथ उपाध्याय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए आदर्श हैं। आज की नई पीढ़ी को शिक्षा व ज्ञान के लिए स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेनी चाहिए। नई शिक्षा नीति 2020 में बच्चों में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के साथ संस्कार व चारित्रिक विकास पर भी बल दिया गया। नई पीढ़ी कैरियर व रोजगार के साथ संस्कार व राष्ट्रीय चेतना से युक्त हो यह आधुनिक समय की अनिवार्य आवश्यकता है। गोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य डा. केके सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर प्रिया शर्मा व आभार प्रदर्शन शैवाल कनौजिया ने किया। पूर्व प्राचार्य बीडी शुक्ला, प्रोफेसर पुष्पा रानी गंगवार, डा. दीपक राय, डा. शिवेंद्र सिंह, डा. सरिता वर्मा, प्रो. एसके सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। *(एसएनबी)*

बैडमिंटन सिंगल्स मुकाबले में रंजीत व सोनाली अव्वल

हरदोई (एसएनबी)। शहर के सीएसएन पीजी कालेज में चल रहे युवा महोत्सव के दौरान बुधवार को कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। जिसमें छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। क्रीड़ा सचिव डा. राकेश सिंह ने बताया कि क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत 400 मीटर महिला व पुरुष दौड़ प्रतियोगिता के फाइनल का आयोजन हुआ। महिला वर्ग में अंजली दीक्षित प्रथम, आरती द्वितीय व खुशबू कश्यप तृतीय स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग में विशाल सिंह प्रथम, अनुज यादव द्वितीय व सनी देवल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्व. कैलाश चंद्र पांडेय स्मृति बैडमिंटन प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले खेले गए। पुरुष एकल प्रतियोगिता में रंजीत विजेता व प्रशांत श्रीवास्तव उपविजेता रहे। महिला सिंगल प्रतियोगिता में सोनाली विजेता व आंचल शुक्ला उपविजेता रही। पुरुष डबल प्रतियोगिता में प्रशांत श्रीवास्तव व रंजीत विजेता तथा हंसराज कुशवाहा व प्रशांत निगम उपविजेता रहे। बैडमिंटन के विजई प्रतिभागियों को प्राचार्य डा. केके सिंह व अरविंद पांडेय ने प्रशस्ति पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया। हरदोई सेंट्रल द्वारा प्रायोजित नई शिक्षा नीति नए भारत की ओर एक कदम विषयक भाषण प्रतियोगिता में 35 बच्चों ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीएसएन के छात्र अनुभव मिश्रा को, द्वितीय स्थान सुधांशु गोस्वामी को, तृतीय स्थान फराह नाज को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार निशा राठौर, अनमोल मिश्रा, अंशिका वर्मा, अंशुमन और शुभी सिंह को प्राप्त हुआ। सभी विजयी प्रतिभागियों को उज्जवल मल्होत्रा, पूर्व प्राचार्य बीडी शुक्ला व प्राचार्य डा. सिंह ने संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया।

हरदोई : भाषण प्रतियोगिता में बोलते अनुभव मिश्र।

6:02 24%

epaper **हिन्दुस्तान**

सीएसएन कॉलेज में दौड़ में प्रतिभाग करते खिलाड़ी।

हरदोई, संवाददाता। सीएसएन कॉलेज युवा महोत्सव में अंग्रेजी विभाग द्वारा एकल व्याख्यान का हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत भाषण, क्रीडा, बैडमिंटन व दौड़ की प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

क्रीड़ा सचिव डॉ.राकेश सिंह ने बताया कि बुधवार को 400 मीटर महिला व पुरुष दौड़ प्रतियोगिता के फाइनल में अंजली दीक्षित प्रथम, आरती द्वितीय व खुशबू कश्यप को तृतीय स्थान मिला। 400 मीटर पुरुष फाइनल में विशाल सिंह प्रथम, अनुज यादव द्वितीय और सनी देवल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

स्वर्गीय कैलाश चंद्र पांडे स्मृति बैडमिंटन प्रतियोगिता का फाइनल में पुरुष एकल प्रतियोगिता में रंजीत विजेता रहे। महिला सिंगल प्रतियोगिता में सोनाली विजेता रहीं। पुरुष डबल प्रतियोगिता में प्रशांत श्रीवास्तव और रंजीत विजेता रहे। इस मौके पर बैडमिंटन के विजयी प्रतिभागियों को प्राचार्य प्रोफेसर केके सिंह व अरविंद पांडे ने प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर ओंकारनाथ उपाध्याय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद आज के युवाओं के लिए आदर्श है। गोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर केके सिंह व संचालन अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर प्रिया शर्मा ने किया। पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर बी.डी. शुक्ला, प्रो. पुष्पा रानी गंगवार, डॉ.दीपक राय, डॉ.शिवेंद्र सिंह, डॉ. सरिता वर्मा, प्रो. एसके सिंह आदि उपस्थित रहे।

हरदोई

कानपुर। शुक्रवार • 16 दिसम्बर • 2022

आर्थिक विकास के साथ सामाजिक विकास आवश्यक : प्रो. सिद्दीकी

हरदोई : गोष्ठी को संबोधित करते अतिथि। फोटो : एसएनबी

- भूगोल विभाग का व्याख्यान, रंगोली व गमला सजाओ प्रतियोगिता और कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

हरदोई (एसएनबी)। शहर के सीएसएन पीजी कालेज में चल रहे युवा महोत्सव के दौरान गुरुवार को सर्व प्रथम भूगोल विभाग द्वारा वैश्वीकरण और आधुनिक जीवन शैली का पर्यावरण पर प्रभाव विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन सभागार में किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया।

मुख्य वक्ता इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. एआर सिद्दीकी ने कहा कि आर्थिक विकास के साथ सामाजिक विकास आवश्यक है। सफल होने के साथ जीवन का सार्थक होना भी जरूरी है, सफल होने के साथ-साथ यह आवश्यक है कि हम जल, जंगल व जमीन की भी चिंता करते हुए पूरे विश्व के पर्यावरण को संतुलित व सुंदर बनाने का प्रयास करें, विश्व के अनेक देशों के रोचक उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं देखा है कि दुनिया के अनेक विकसित कहे जाने वाले देश आर्थिक समृद्धि के बावजूद अभी भी सामाजिक, भावनात्मक व पारिवारिक रूप से बहुत विपन्न हैं। विशिष्ट वक्ता कालेज के प्रभारी अधिकारी व सिटी मजिस्ट्रेट डा. सदानंद गुप्ता ने कहा कि सफलता के लिए अधिकतम प्रतिबद्धता आवश्यक है। हमें सफल होने के साथ-साथ राष्ट्र का जिम्मेदार नागरिक भी बनना चाहिए। समय की मांग है कि हम पर्यावरण के प्रति सचेत हो, यही पर्यावरण हमें जल, जीवन व शुद्ध वायु देता है। इसलिए इसे संरक्षित रखने की आवश्यकता है। युवाओं का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि यदि वह दृढ़ निश्चयी हैं तो दुनिया का कोई भी लक्ष्य उनके लिए आसान हो जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज के प्राचार्य डा. केके सिंह ने की। संचालन भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अरुण मौर्या ने किया। भूगोल विभाग की अध्यक्ष प्रो. पुष्पा रानी गंगवार ने आभार जताया। कार्यक्रम में कालेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. तेजवीर सिंह चौहान, प्रो. बीडी शुक्ला, प्रो. एसके सिंह सहित भूगोल विभाग के सभी प्राध्यापकगण जितेंद्र सिंह चौहान, अमित कुमार, राकेश सिंह, अजय कुमार शुक्ला, ईश्वरदीन, डा. रजनीश सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों को स्मृति चिह्न व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने मचाया धमाल

हरदोई(एसएनबी)। शहर के सीएसएन पीजी कालेज में चल रहे युवा महोत्सव के दौरान गुरुवार को क्रीड़ा प्रतियोगिता में कबड्डी के मैच हुए। पहला मैच सीएसएन डिग्री कालेज व केंद्रीय विद्यालय के मध्य खेला गया। जिसमें सीएसएन कलेज की टीम 29-24 अंकों से विजयी रही। दूसरा मैच श्रीराम स्पोर्ट्स क्लब व सवायजपुर के मध्य हुआ। जिसमें श्रीराम स्पोर्टिंग क्लब ने सवायजपुर की टीम को 27-6 अंकों के अंतर से पराजित किया। कबड्डी प्रतियोगिता क्रीड़ा सचिव डा. राकेश सिंह, प्रशिक्षक राम उग्र गोस्वामी व पुनीत सिंह के निर्देशन में सम्पन्न हुई। वालीबाल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पहला मैच मलिहामऊ व मदारी पासी के मध्य खेला गया। बड़ा रोमांचक मुकाबला हुआ। क्रिकेट में 4 मैच खेले गए, पहला मैच पैशन क्रिकेट क्लब ने 3 रनों से जीत लिया। मैन आफ द मैच अमित रहे। जिन्होंने 4 विकेट हासिल किए दूसरा मैच अहिरोरी टीम ने 110 रनों से जीता। मैन आफ द मैच 65 रन और 1 विकेट लेने वाले रबिन रहे। तीसरा मैच आशानगर की टीम ने 6 विकेट से जीता। मैन आफ द मैच 5 विकेट लेने वाले मोहित रहे। चौथा मैच सीएसएन पीजी कालेज की टीम ने 9 विकेट से जीता। मैन आफ द मैच 5 विकेट लेने वाले आदित्य रहे।

व्याख्यान के साथ खेलों में दिखाई प्रतिभा

सीएसएन युवा महोत्सव का सातवां दिन, राजनीति के बदलते संदर्भ पर छात्रों ने रखे विचार

वॉलीबॉल में मलिहामऊ टीम ने हरदोई को किया पराजित

बाबा मंदिर की टीम बनी चौम्पियन

हरदोई। सीएसएन पीजी कालेज चल रहे युवा महोत्सव का सोमवार को समापन हुआ।महाविद्यालय के क्रीड़ा सचिव राकेश कुमार सिंह ने बताया कि क्रीड़ा में स्वर्गीय बाबूलाल मोहन मोहनलाल वर्मा स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में बाबा मंदिर हरदोई की टीम ने पीसीसी लाइन बालामऊ की टीम के मध्य फाइनल मुकाबला खेला गया, बाबा मंदिर की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 94 रन बनाए, बाबा मंदिर की टीम ने बालामऊ को 17 रन से हराकर जीत हासिल की।बाबा मंदिर की टीम की ओर से पुन्नू को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने 36 रन और एक विकेट लेकर मैच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं पूरे टूर्नामेंट में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में प्रदर्शन करने वाले बालामऊ टीम के आयुष को मैन ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने 81 रन और 9 विकेट हासिल लिए। अंपायरिंग डा.अरुण मौर्या व डा.सचिन सिंह ने की। स्कोरिंग अरविंद सिंह और कमेंट्री राहुल वर्मा ने की। इस मौके पर डा. कुश मिश्रा, डा. अमित कुमार,डा. जितेंद्र सिंह चौहान मौजूद रहे, विजेता टीम को प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश विधान परिषद राजेश सिंह, दीपक मिश्र,स्व. मोहनलाल वर्मा के पौत्र प्रभात वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट डा. सदानंद गुप्ता व कॉलेज के प्राचार्य केके सिंह ने ट्रॉफी,प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता में प्रथम रही तनु वर्मा, द्वितीय रही आदर्श सेन और तृतीय रही तस्बीहा अंसारी को प्रशस्ति पत्र,शील्ड व पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। शेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताओ के विजेताओं को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

आयोजन | सीएसएन पीजी कॉलेज में हुआ युवा महोत्सव का समापन, विधान परिषद के प्रमुख सचिव डॉ राजेश सिंह ने छात्रों को दी सीख

युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं डॉ. राधाकृष्णन प्रमुख सचिव

अमृत विचार, हरदोई

सीएसएन पीजी कॉलेज में जारी 10 दिवसीय युवा महोत्सव का समापन मुख्य अतिथि डॉ. राजेश सिंह एवं दीपक मिश्र के वक्तव्य द्वारा हुआ। समापन समारोह का उद्घाटन विधान परिषद के प्रमुख सचिव डॉ राजेश सिंह, मंडेला सम्मान प्राप्त प्रख्यात विचारक दीपक मिश्र एवं कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेंद्र कुमार सिंह द्वारा द्वीप प्रज्वलन एवं सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा हुआ। अतिथियों का स्वागत प्रो. केके सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ राजेश सिंह ने अपने उद्बोधन में नई शिक्षा नीति के महत्व एवं उपादेयता पर प्रकाश डाला। उनके अनुसार राधाकृष्णन द्वारा बनाई गई शिक्षा नीति के लागू ना हो पाने के कारण मैकाले की शिक्षा पद्धति आज भी भारत में चल रही है। ऐसे में वर्तमान शिक्षा पद्धति को बदलने के लिए नई शिक्षा नीति प्रयासरत है। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए मंडेला सम्मान प्राप्त प्रख्यात विचारक दीपक मिश्र ने हरदोई के जमीन से जुड़े क्रांतिकारियों को याद किया और सीएसएन पीजी कॉलेज के युवाओं को नई ऊर्जा, नए उत्साह से उद्वेलित करने के लिए राष्ट्रीय आंदोलन के उन क्रांतिकारियों से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन डॉ दीपक कुमार राय ने किया।

युवा महोत्सव में बोलते व मौजूद लोग। अमृत विचार

क्रिकेट में बाबा मंदिर की टीम बनी चैंपियन

अमृत विचार, हरदोई। स्वर्गीय बाबूलाल मोहन मोहनलाल वर्मा स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में बाबा मंदिर हरदोई की टीम ने पीसीसी लाइन बालामऊ की टीम के मध्य फाइनल मुकाबला खेला गया। बाबा मंदिर की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 94 रन बनाए, बाबा मंदिर की टीम ने बालामऊ को 17 रन से हराकर जीत हासिल की। बाबा मंदिर की टीम की ओर से पुन्नू को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार दिए गए। अंपायरिंग डॉ. अरुण मौर्या व डॉ. सचिन सिंह ने की। स्कोरिंग अरविंद सिंह और कमेंट्री राहुल वर्मा ने की। इस मौके पर डॉ. कुश मिश्रा, डॉ. अमित कुमार, डॉ. जितेंद्र सिंह चौहान मौजूद रहे, विजेता टीम को प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश विधान परिषद राजेश सिंह, दीपक मिश्र, स्व. मोहनलाल वर्मा के पौत्र प्रभात वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ. सदानंद गुप्ता व कॉलेज के प्राचार्य केके सिंह ने ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया।

6 दैनिक जागरण लखनऊ, 19 दिसंबर, 2022 — हरदोई जागरण

छात्रों के विकास के लिए शिक्षा संग सांस्कृतिक गतिविधियां जरूरी : डा. अशोक बाजपेई

अनुशासन में रहने पर ही मिलेगी सफलता

खोखो में बालिकाएं बनीं चैम्पियन

हरदोई : विजेता टीम को पुरस्कृत करते अधिवक्ता कर्मवीर सिंह व प्राचार्य केके सिंह। फोटो : एसएनबी

हरदोई (एसएनबी)। क्रीड़ा मैदान में क्रीड़ा सचिव डा. राकेश कुमार सिंह व उपसचिव डा. राम उग्र गोस्वामी के नेतृत्व में बालक और बालिका वर्ग की खोखो प्रतियोगिता संपन्न हुई, जिसमें उच्च प्राथमिक विद्यालय कंडहुना की टीम ने सेंट जेम्स की टीम को 15-4 से हराकर जीत हासिल की।

बालिका वर्ग में सीएसएन पीजी कालेज की टीम और श्रीश चंद्र पब्लिक इंटर कालेज की टीम के मध्य खेला गया। सीएसएन कालेज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8-2 अंकों के अन्तर से शानदार जीत दर्ज की। विजयी प्रतिभागियों को खोखो प्रतियोगिता के प्रायोजक वरिष्ठ अधिवक्ता कर्मवीर सिंह चौहान व प्राचार्य ने संयुक्त रूप से ट्राफी, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

भारतीय संस्कृति काव्य केंद्रित : प्रो. तिवारी

- नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली छात्रा काजल शुक्ला को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

हरदोई : गोष्ठी को सम्बोधित करते प्रो. बजरंग बिहारी तिवारी।

हरदोई (एसएनबी)। शहर के सीएसएन पीजी कालेज में चल रहे युवा महोत्सव में शनिवार को महाविद्यालय सभागार में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति व हिन्दी साहित्य विषयक व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण के साथ हुआ।

मुख्य वक्ता हिन्दी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति त्याग, करुणा, दया, समानता व एकता जैसे मूल्यों पर आधारित है। सम्पूर्ण हिन्दी साहित्य में कबीर, तुलसी, मीरा, रविदास व भारतेंदु का साहित्य इन मूल्यों के संवर्धन व इनको स्वर देने का कार्य करता है। आज महिला, आदिवासी, दलित, किन्नर आदि विभिन्न धाराओं में बंटे हुए सभी लोगों को समवेत रूप से साम्राज्यवादी व पूंजीवादी शक्तियों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ेगा। तभी हम साहित्य के मुख्य उद्देश्य मानवता की प्रतिष्ठा का कार्य सम्पन्न कर सकेंगे। विशिष्ट वक्ता के दिल्ली विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के प्रो. बजरंग बिहारी तिवारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति काव्य केंद्रित है। हमारे साहित्य में लेखन से ज्यादा श्रुति परम्परा का योगदान है। समयसमय पर आदिकाल से लेकर मध्यकाल तक विभिन्न कवियों ने मानवीय मूल्यों व चिंतन परम्परा को अपनी कविता के माध्यम से समृद्ध किया है। आधुनिक काल की कविता में हाशिए पर खड़े हुए आदमी के दुख, दर्द, दंश व दलन को कवियों ने आक्रोश की भाषा में स्वर देने का कार्य किया है। अध्यक्षता प्राचार्य डा. केके सिंह व संचालन हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डा. दीपक कुमार राय ने की। आभार प्रदर्शन विभाग की अध्यक्ष प्रो. साधना शुक्ला ने किया। विषय प्रवर्तन विभाग के डा. कुश कुमार ने किया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य प्रो बीडी शुक्ला, प्रो. एसके सिंह, प्रो. उमारानी श्रीवास्तव सहित विभाग के डा. मणिपाल सिंह, डा. श्रवण कुमार गुप्ता, डा. शिवेंद्र सिंह, डा. दीपक कुमार राय सहित सैकड़ों की संख्या में छात्रछात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली प्रतिभाशाली छात्रा कुमारी काजल शुक्ला को अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

हारजीत से ऊपर उठ खेल भावना से प्रतियोगिता में हिस्सा लें : माधवेन्द्र

- वालीबाल में मलिहामऊ व कबड्डी में हापुड़ की टीम विजेता
- सवायजपुर विधायक ने विजेता व उप विजेता टीमों को किया पुरस्कृत

हरदोई : विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी व प्रमाणपत्र प्रदान करते विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू। फोटो : एसएनबी

हरदोई (एसएनबी)। सीएसएन पीजी कालेज में चल रहे युवा महोत्सव में शुक्रवार को सांस्कृतिक प्रतियोगिता में बेस्ट आफ वेस्ट का प्रदर्शन डा. प्रिया शर्मा व डा. सरिता वर्मा के संयोजन में हुआ।

क्रीड़ा सचिव डा. राकेश सिंह व प्रो. राम उग्र गोस्वामी ने बताया कि स्व. ओम प्रकाश सिंह स्मृति कबड्डी व वालीबाल प्रतियोगिता का फाइनल सम्पन्न हुआ। फाइनल मैच के अवसर पर सवायजपुर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू व प्रतियोगिता के प्रायोजक अजय सिंह आदित्य ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। वालीबाल प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में मलिहामऊ की टीम ने हरदोई की टीम को 21-18 व 21-15 से पराजित कर जीत हासिल की। कबड्डी के पुरुष वर्ग में हापुड़ की टीम ने श्रीराम क्लब हरदोई की टीम को 50-30 अकों से हराकर जीत हासिल की। महिला वर्ग में लखनऊ साईं की टीम ने सीएसएन पीजी कालेज की टीम को 37-20 अंकों से हराकर जीत हासिल की। विजयी प्रतिभागियों को विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू, अजय सिंह आदित्य व प्राचार्य प्रो. केके सिंह ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों को ट्राफी व प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया। विधायक श्री सिंह ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी हार जीत की भावना से ऊपर उठकर खेल भावना से प्रतियोगिता में हिस्सा लें। कहा कि खेल से मन व शरीर पूर्णतः दुरुस्त रहता है। कहा कि सबसे बड़ा धन मनुष्य के पास स्वस्थ शरीर है। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वह पूरे मनोयोग से खेल खेलें। जिले के बाद प्रदेश और फिर देश स्तर पर खेल कर अपनों का नाम रोशन करें। इस दौरान पुष्पारानी गंगवार, डा. दीपक राय, आशुतोष सिंह, विकास सिंह सवायजपुर समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

सीएसएन टीम ने मारी बाजी

युवा महोत्सव

सीएसएन पीजी कालेज में कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी ● जागरण

जासं, हरदोई : सीएसएन पीजी कालेज में चल रहे युवा महोत्सव के छठे दिन गुरुवार को कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सीएसएन पीजी कालेज की टीम विजयी रही।

कबड्डी प्रतियोगिता में पहला मैच सीएसएन पीजी कालेज व केंद्रीय विद्यालय की टीम के मध्य खेला गया, जिसमें सीएसएन पीजी कालेज की टीम ने केंद्रीय विद्यालय की टीम को 29-24 से हराया। दूसरा मैच श्रीराम स्पोर्ट्स क्लब व सवायजपुर टीम के बीच हुआ, जिसमें श्रीराम स्पोर्टिंग क्लब ने सवायजपुर की टीम को 27-6 के अंतर से हराया। क्रीड़ा सचिव डा. राकेश सिंह, प्रशिक्षक राम उग्र गोस्वामी व पुनीत सिंह मौजूद रहे। पर्यावरण पर प्रभाव विषयक विचार गोष्ठी में इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एआर सिद्दीकी ने कहा कि आर्थिक विकास के साथ सामाजिक विकास आवश्यक है। सफल होने के साथ जीवन का सार्थक होना भी जरूरी है। यह भी आवश्यक है कि हम जल, जंगल व जमीन की भी चिंता करते हुए पूरे विश्व के पर्यावरण को संतुलित व सुंदर बनाने का प्रयास करें।

सीएसएन पीजी कालेज में मिड टर्म परीक्षाएं शुरू

सीएसएन डिग्री कालेज में परीक्षा देते छात्र व छात्राएं ● जागरण

जासं, हरदोई: सीएसएन पीजी कालेज में स्नातक प्रथम सेमेस्टर व परास्नातक तृतीय सेमेस्टर में हिंदी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल, संस्कृत, अर्थशास्त्र विषयों की मिड टर्म परीक्षाएं शुरू हो गईं।

परीक्षाएं दो पालियों में शनिवार सुबह 10 से 11 बजे व दोपहर 12 से एक बजे तक हुईं। बीए प्रथम सेमेस्टर के 11 विषयों में पंजीकृत 660 परीक्षार्थियों के सापेक्ष पहले दिन 256 छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए। परास्नातक तृतीय सेमेस्टर में हिंदी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल, संस्कृत, अर्थशास्त्र विषय में कुल पंजीकृत 108 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 107 परीक्षार्थी शामिल हुए, एक छात्र अनुपस्थित रहा। परीक्षा नियंत्रक डा. अरुण कुमार मौर्या ने बताया कि नौ एवं 10 जनवरी को भी परास्नातक तृतीय सेमेस्टर के मिड टर्म की लिखित परीक्षाएं होंगी। बीए प्रथम सेमेस्टर का प्रजेंटेशन जारी रहेगा।

यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा पास कर बढ़ाया कॉलेज का मान

हरदोई (एसएनबी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित दिसम्बर 2022 की यूजीसीनेट जेआरएफ परीक्षा में शहर के सीएसएन महाविद्यालय के 9 छात्रछात्राओं ने सफलता प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

■ सफलता पाए विद्यार्थियों से अन्य प्रतियोगी छात्रों को मिलेगी प्रेरणा : प्राचार्य

मिथिलेश कुमार | नीलू गुप्ता | हरदीप कुमार | अंजली शर्मा

हिंदी विभाग के 3 छात्रछात्राएं, एमए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा कु. नीलू गुप्ता व तृतीय सेमेस्टर के छात्र मिथिलेश कुमार ने अपने प्रथम प्रयास में ही जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। हिंदी विभाग की छात्रा अंजलि शर्मा ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। भूगोल विभाग के 5 छात्रों में विपिन राठौर, अनुज राठौर, योगेश कुमार, हर्ष गुप्ता व अनुराग वर्मा और राजनीति विज्ञान विभाग के हरदीप कुमार ने भी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। सभी छात्रछात्राओं की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कालेज के प्राचार्य प्रो. डा. कौशलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इन छात्रछात्राओं की सफलता से महाविद्यालय के अन्य प्रतियोगी छात्र छात्राओं को सफल होने की सकारात्मक प्रेरणा मिलेगी, जिससे भविष्य में महाविद्यालय के अन्य छात्र भी विभिन्न क्षेत्रों में सफल होकर कालेज का नाम गौरवान्वित करेंगे। छात्रछात्राओं की सफलता पर प्रो. संदीप कुमार सिन्हा, प्रो. पुष्पा रानी गंगवार, प्रो. साधना शुक्ला, जेएस चौहान, राकेश सिंह, अमित कुमार, डा. दीपक राय, डा. शिवेंद्र सिंह, डा. अंकित पाठक, कुश कुमार, मणिपाल सिंह, श्रवण कुमार गुप्ता, डा. मिथिलेश सिंह, आरयू गोस्वामी, डा. अरुण मौर्या, विनयशील आदि ने शुभकामनाएं देकर प्रसन्नता जताई।

26.2° न्यूनतम | सूर्य अस्त (आज) 06:35 उदय (कल) 05:43 | आर्द्रता 41% 36% अधिकतम न्यूनतम | हरदोई जागरण

नौ छात्र-छात्राओं ने उत्तीर्ण की नेट-जेआरएफ की परीक्षा

अंजली शर्मा | नीलू गुप्ता | हरदीप कुमार | मिथिलेश कुमार

जागरण संवाददाता, हरदोई : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा दिसंबर में आयोजित यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा में सीएसएन पीजी कालेज के छात्र-छात्राओं का दबदबा रहा। नौ छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त कर कालेज का नाम रोशन किया है।

हिंदी विभाग के एमए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा नीलू गुप्ता, तृतीय सेमेस्टर के छात्र मिथिलेश कुमार ने प्रथम प्रयास में जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप) परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, इसके साथ हिंदी विभाग की छात्रा अंजली शर्मा ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसी क्रम में भूगोल विभाग के छात्र बिपिन राठौर, अनुज राठौर, योगेश कुमार, हर्ष गुप्ता व अनुराग वर्मा ने नेट की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र हरदीप कुमार ने भी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। कालेज के प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इन छात्र-छात्राओं की सफलता से कालेज के अन्य प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को सफल होने की सकारात्मक प्रेरणा मिलेगी, जिससे भविष्य में कालेज के अन्य छात्र भी विभिन्न क्षेत्रों में सफल होंगे और कालेज का नाम रोशन करेंगे।

प्रोफेसर संदीप कुमार सिन्हा, प्रो. पुष्पा रानी गंगवार, प्रो. साधना शुक्ला, जेएस चौहान, राकेश सिंह, अमित कुमार, डा. दीपक राय, डा. शिवेंद्र सिंह, डा. अंकित पाठक, कुश कुमार, मणिपाल सिंह, श्रवण कुमार गुप्ता, डा. मिथिलेश सिंह, आरयू गोस्वामी, डा. अरुण मौर्या, बिनय शील आदि ने छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

युवा Youth | amarujala.com | कानपुर | बुधवार, 19 अप्रैल 2023 | 9

सीएसएन में शुरू होंगी बीकॉम व बीबीए की कक्षाएं

अभी तक महाविद्यालय में कला वर्ग की कक्षाएं हो रही थीं संचालित

संवाद न्यूज एजेंसी

सीएसएन डिग्री कॉलेज। संवाद

प्रवेश के लिए लेना होगा एलयूआरएन कोड

नेट में सीएसएन के नौ छात्र छात्राओं ने लहराया परचम

संवाद न्यूज एजेंसी

मिथिलेश कुमार। संवाद | नीलू गुप्ता। संवाद | हरदीप कुमार। संवाद | अंजली शर्मा। संवाद

एलएलबी की प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू

■ हरदोई (एसएनबी)।

शहर के सीएसएन महाविद्यालय में प्रथम पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक एलएलबी तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा में कुल 250 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसके सापेक्ष 240 परीक्षार्थी उपस्थित रहे व 10 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। द्वितीय पाली सायं 2 बजे से 5 बजे एलएलबी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में कुल 542 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसके सापेक्ष 500 परीक्षार्थी उपस्थित व 42 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी।

सुबह की पाली में एलएलबी तृतीय सेमेस्टर के एक परीक्षार्थी को नकल करने के दौरान महाविद्यालय की कुलानुशासक प्रो. पुष्पा रानी गंगवार ने उसे निष्कासित कर दिया। महाविद्यालय के कार्यवाहक परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार ने बताया कि महाविद्यालय के सचल दल के प्रो. संदीप कुमार सिन्हा, प्रो. साधना शुक्ला, राकेश सिंह, अंकित पाठक, डा. दीपक राय, डा. शिवेंद्र सिंह, डा. कुश कुमार, डा. विनय शील, डा. मिथिलेश सिंह, डा. अखिलेश कुमार, डा. सरिता वर्मा, डा. वीरपाल आदि ने परीक्षार्थियों की सघन तलाशी लेते हुए शुचितापूर्वक परीक्षा सम्पन्न करवाई।

□ नकल करने वाले एक परीक्षार्थी को महाविद्यालय की कुलानुशासक ने किया निष्कासित

□ 6 महाविद्यालय के परीक्षार्थी दे रहे ला की परीक्षा

14 मार्च तक चलेंगीं ला की परीक्षाएं

हरदोई। सीएसएन महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र पर लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध गुलाब फुलन्दर विधि महाविद्यालय, डा. हरिशंकर मिश्र महाविद्यालय, महिपाल सिंह महाविद्यालय, मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय, महाराजा हरिश्चंद्र महाविद्यालय व परमेश्वर विधि महाविद्यालय की ला प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 फरवरी से प्रारम्भ हो गई हैं। जो दो पालियों में 14 मार्च तक चलेंगी।

लम्बी कूद : बालकों में सनी, बालिकाओं में साक्षी अव्वल

हरदोई (एसएनबी)। शहर के सीएसएन महाविद्यालय परिसर में जिले की तीन दिवसीय अंतर्महाविद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता रविवार को सम्पन्न हुई। लम्बी कूद महिला व पुरुष वर्ग की फाइनल, 100 मीटर रेस महिला, पुरुष वर्ग फाइनल, शतरंज पुरुष वर्ग फाइनल व बैडमिंटन एकल व युगल पुरुष वर्ग फाइनल सम्पन्न हुए।

कालेज के क्रीड़ा सचिव डा. राकेश सिंह ने बताया कि शतरंज पुरुष वर्ग फाइनल सीएसएन महाविद्यालय के कैफ आलम खान व शाबान अली के मध्य खेला गया। जिसमें कैफ आलम खान विजई घोषित हुए। 100 मीटर महिला रेस में ज्ञानदीप डिग्री कालेज की शालू सिंह प्रथम, सीएसएन कालेज की साक्षी देवी द्वितीय व रिया गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर बालक वर्ग में सीएसएन कालेज के सनी देओल ने प्रथम, विकास कुमार द्वितीय व सुमित कुमार पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद बालक वर्ग सीएसएन के सनी देवल प्रथम, विकास कुमार द्वितीय व गौरव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद बालिका वर्ग में सीएसएन की साक्षी देवी प्रथम, ज्ञानदीप कालेज की शालू सिंह द्वितीय, रिया गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन एकल बालक वर्ग में जीडीसी के पर्व सूरी ने सीएसएन के सचिन कुशवाहा को 21-16 व 21-13 अंको से हराकर जीत दर्ज की। बैडमिंटन युगल वर्ग में जीडीसी के पर्व सूरी व आकाश कुमार ने सीएसएन के सचिन कुशवाहा व सैय्यद हुसेन जैदी को 21-19 और 21-17 अंको से पराजित किया। इस अवसर पर कालेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. जितेन्द्र सिंह चौहान, क्रीड़ा उपसचिव आर यू गोस्वामी, डॉ. दीपक राय, डॉ. वीरपाल, डॉ. अजय शुक्ला, डॉ. रजनीश कुमार, डॉ. ईश्वरदीन, डॉ. प्रिया शर्मा, डॉ. शैवाल कन्नौजिया, डॉ. सरिता वर्मा, डॉ. कुश कुमार, डॉ. सचिन सिंह, डॉ. गोविंद सिंह, डॉ. अमित कुमार मौजूद रहे।

लंबी कूद में सनी, साक्षी प्रथम 100 मीटर दौड़ में शालू अव्वल

सीएसएन डिग्री कालेज में आयोजित लंबी कूद प्रतियोगिता में भाग लेता सनी ● जागरण

जागरण संवाददाता, हरदोई: सीएसएन महाविद्यालय में चल रही तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के तीसरे व अंतिम दिन विभिन्न खेलों के फाइनल मैच हुए। लंबी कूद में अपने-अपने वर्गों में सनी व साक्षी ने बाजी मारी।

क्रीड़ा सचिव डा. राकेश सिंह ने बताया कि शतरंज पुरुष वर्ग का फाइनल मैच सीएसएन महाविद्यालय के कैफ आलम खान व शाबान अली के मध्य खेला गया, कैफ आलम खान विजयी घोषित हुए। 100 मीटर महिला रेस में ज्ञानदीप डिग्री कालेज की शालू सिंह प्रथम, सीएसएन कालेज की साक्षी देवी द्वितीय और रिया गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर बालक वर्ग में सीएसएन कालेज के सनी ने प्रथम, विकास कुमार द्वितीय और सुमित कुमार पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद बालक वर्ग में सीएसएन के सनी प्रथम, विकास कुमार द्वितीय और गौरव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद बालिका वर्ग में सीएसएन की साक्षी देवी प्रथम, ज्ञानदीप कालेज की शालू सिंह द्वितीय, रिया गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन एकल बालक वर्ग में महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय के पर्व सूरी ने सीएसएन के सचिन कुशवाहा को 21-16 व 21-13 से हराकर जीत दर्ज की। बैडमिंटन युगल वर्ग में महाराणा प्रताप राजकीय डिग्री कालेज के पर्व सूरी व आकाश कुमार ने सीएसएन के सचिन कुशवाहा व सैय्यद हुसैन जैदी को 21-19 और 21-17 से पराजित किया। कार्यवाहक प्राचार्य डा. जितेंद्र सिंह चौहान, डा. दीपक राय, आदि मौजूद रहे।

100 मीटर दौड़ में शालू सिंह और सनी देओल रहे अव्वल

सीएसएन महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिता संपन्न

संवाद न्यूज एजेंसी

हरदोई। सीएसएन महाविद्यालय में चल रही अंतर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिता में रविवार को 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में शाल सिंह और बालक वर्ग में सनी देओल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सीएसएन कॉलेज परिसर में शतरंज पुरुष वर्ग फाइनल कैफ आलम खान व शाबान अली के मध्य खेला गया। इसमें कैफ आलम खान विजयी हुए। 100 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में ज्ञानदीप डिग्री कॉलेज की शालू सिंह ने प्रथम, सीएसएन कॉलेज की साक्षी देवी द्वितीय और रिया गुप्ता तृतीय रहीं।

बालक वर्ग में सीएसएन कॉलेज के सनी देओल ने प्रथम, विकास कुमार द्वितीय और सुमित कुमार पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद बालक वर्ग में सीएसएन के सनी देओल प्रथम, विकास कुमार द्वितीय और गौरव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। संवाद

लंबी कूद बालिका वर्ग में सीएसएन की साक्षी देवी प्रथम, ज्ञानदीप कॉलेज की शालू सिंह द्वितीय, रिया गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन एकल बालक वर्ग में महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय के पर्व सूरी ने सीएसएन के सचिन कुशवाहा को 21-16 व 21-13 से हराकर जीत दर्ज की।

बैडमिंटन युगल वर्ग में महाराणा प्रताप राजकीय डिग्री कॉलेज के पर्व सूरी व आकाश कुमार ने सीएसएन के सचिन कुशवाहा व सैय्यद हुसैन जैदी को 21-19 और 21-17 से पराजित किया। कार्यवाहक प्राचार्य डा. जितेंद्र सिंह चौहान, क्रीड़ा उपसचिव आरयू गोस्वामी, डा. दीपक राय मौजूद रहे।

कबड्डी में सीएसएन व आर्य कन्या महाविद्यालय की टीम जीती

हरदोई (एसएनबी)। सीएसएन पीजी कालेज में चल रही जनपद स्तरीय तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन कबड्डी, खोखो, शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, लंबी कूद खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं। दूसरे दिन के खेलों की शुरुआत शतरंज के खेल से हुई। जिसमें महिपाल सिंह डिग्री कालेज के युवराज सिंह को सीएसएन पीजी कालेज के कैफ आलम खान ने हराकर जीत हासिल की। बालिका वर्ग में शतरंज की प्रतियोगिता सीएसएन कालेज की खिलाड़ियों अनुष्का और आस्था शुक्ला के बीच हुई। जिसमें आस्था शुक्ला ने जीत दर्ज की। कबड्डी में बालक वर्ग में गुलाब पीजी कालेज, सांडी और सीएसएन पीजी कालेज के मध्य हुए मैच में सीएसएन कालेज की टीम 27-03 अंकों से विजेता रही। फाइनल में बालक वर्ग में राणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय और सीएसएन पीजी कालेज की टीमों के मध्य हुए मैच में सीएसएन पीजी कालेज की टीम 36-12 अंकों से विजेता रही। कबड्डी के बालिका वर्ग में आर्य कन्या महाविद्यालय और सीएसएन कालेज के बीच हुए मैच में आर्य कन्या महाविद्यालय की टीम 41-16 अंकों से विजेता रही। क्रीड़ा परिषद के उप सचिव डा. आरयू गोस्वामी ने बताया कि कैरम, शतरंज, वालीबाल, खोखो, दौड़, रस्साकसी, लंबी कूद जैसे खेल प्रतियोगिताओं के फाइनल 12 फरवरी तक आयोजित होने हैं। इस दौरान कालेज के क्रीड़ा परिषद के सचिव डा. राकेश सिंह, डा. मणिपाल सिंह, डा. दीपक राय, डा. जितेंद्र सिंह चौहान, डा. अखिलेश कुमार, डा. रजनीश कुमार, डा. वीरपाल, डा. प्रिया शर्मा, डा. विनय शील, डा. गोविंद सिंह आदि उपस्थित रहे।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में बृजमोहन ने बाजी मारी

सीएसएन महाविद्यालय में बैडमिंटन में प्रतिभाग करते खिलाड़ी।। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

सीएसएन महाविद्यालय में शुरू हुई खेलकूद प्रतियोगिताएं

हरदोई। सीएसएन पीजी कॉलेज का तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता शुक्रवार से शुरू हुई। बैडमिंटन प्रतियोगिता में बृजमोहन ने बाजी मारी।

महाविद्यालय परिसर में जनपद स्तरीय तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता का लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर उमेश शुक्ला और महाविद्यालय प्राचार्य डा. कौशलेंद्र सिंह ने मां सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रोफेसर उमेश शुक्ला ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में आपसी सहयोग, नेतृत्व क्षमता व साहस का विकास होता है।

प्रोफेसर अमरेंद्र कुमार ने कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है। प्राचार्य प्रोफेसर केके सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने से जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ियों के मध्य प्रेम, सहभाव, त्याग का विकास होगा।

बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच बृज मोहन पांडे और सुरेश कुमार के मध्य खेला गया। जिसमें बृज मोहन ने सुरेश कुमार को 21-18, 21-15 से पराजित कर जीत हासिल की। कार्यक्रम कैरम, शतरंज, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, दौड़, रस्साकसी, लंबी कूद आदि प्रतियोगिताएं होगी।

संचालन क्रीड़ा परिषद के उप सचिव डॉ. आर. यू. गोस्वामी ने किया। डॉ. दीपक कुमार राय, डॉ. कुश कुमार, डॉ. पुष्पा रानी गंगवार, डॉ. मणिपाल सिंह, डॉ. श्रावण कुमार गुप्ता मौजूद रहे।

तहत मामला दर्ज कर लिया है। उसकी जांच एसआई धर्मेन्द्र कुमार सिंह को सौंपी गई है।

खेलकूद से बढ़ता भाईचारा व आपसी सद्भाव: प्रो. अमरेन्द्र

हरदोई (एसएनबी)। शुक्रवार को सीएसएन पीजी कालेज में जनपद स्तरीय तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेंद्र कुमार सिंह, लखनऊविश्वविद्यालय के प्रो. उमेश शुक्ला, डा. अमरेंद्र कुमार, डा. प्रवीश प्रकाश एवं कालेज के क्रीड़ा सचिव डा. राकेश सिंह ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पहले दिन बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच बृज मोहन पांडे और सुरेश कुमार के मध्य हुआ, जिसमें बृज मोहन ने सुरेश कुमार को 21-18, 21-15 अंकों से पराजित कर जीत हासिल की। कार्यक्रम में प्रो. उमेश शुक्ला ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों के भीतर आपसी सहयोग, नेतृत्व क्षमता व साहस का विकास होता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्रो. अमरेंद्र कुमार ने कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है। कालेज के प्राचार्य प्रो. केके सिंह ने कहा इस आयोजन के माध्यम से जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ियों के मध्य प्रेम, सहभाव, त्याग का विकास होगा। कार्यक्रम में कैरम, शतरंज, वालीबाल, कबड्डी, खोखो, दौड़, रस्साकसी, लंबी कूद जैसे खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा परिषद के उप सचिव डा. आरयू गोस्वामी ने किया। इस दौरान कालेज के शिक्षक डा. दीपक कुमार राय, डा. कुश कुमार, डा. पुष्पा रानी गंगवार, डा. मणिपाल सिंह, डा. श्रवण कुमार गुप्ता, डा. अजय कुमार शुक्ला, डा. प्रिया शर्मा, डा. शैवाल कनौजिया, डा. सरिता वर्मा, डा. साधना शुक्ला, डा. गोविंद सिंह, डा. शिवेंद्र सिंह, डा. अमित कुमार, डा. मिथिलेश कुमार सिंह एवं सैकड़ों छात्र रहे।

वरिष्ठ और कनिष्ठ छात्रों के बीच सामंजस्य जरूरी

कार्यक्रम में बोलती छात्रा साध्वी गुप्ता। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

हरदोई। सीएसएन महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। इसमें वरिष्ठ और कनिष्ठ छात्रों में सामंजस्य बनाने पर जोर दिया गया।

महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने स्वागत समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र कुमार सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप जलाकर किया। प्राचार्य ने कहा कि छात्र-छात्राओं के स्वागत और आपसी परिचय का यह कार्यक्रम उनके बीच सहजता कायम करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से हर कठिनाई, संघर्ष में आगे बढ़ते रहने का आह्वान किया।

सहायक प्रोफेसर डा. अखिलेश कुमार ने कहा कि राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों को एक-दूसरे से सीखकर, आपसी संवाद को बढ़ावा देकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगना चाहिए। सामूहिक चर्चा का वातावरण विभाग में स्थापित करने के लिए वरिष्ठ एवं कनिष्ठ छात्र-छात्राओं का एक-दूसरे के साथ अनौपचारिक रूप से संपर्क आवश्यक है।

विभागाध्यक्ष डा. मिथिलेश कुमार सिंह ने कहा कि स्वागत और परिचय कार्यक्रम विभाग में एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। कार्यक्रम का संचालन परास्नातक तृतीय सेमेस्टर की छात्रा साध्वी गुप्ता एवं धीरेंद्र सिंह ने किया। यहां वर्षा गुप्ता, यामिनी वर्मा, आकांक्षा, सुभाषिनी, शैलेश रावत, नैमिष गुप्ता, साक्षी सिंह मौजूद रहीं।

सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकालते सीएसएन पीजी कॉलेज के एनसीसी छात्र। संवाद

सड़क सुरक्षा के लिए निकाली रैली

हरदोई। सीएसएन पीजी कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाल कर लोगों से यातायात नियमों का पालन करने का आह्वान किया।

महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेंद्र कुमार सिंह ने रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली महाविद्यालय से प्रारंभ होकर लखनऊ चुंगी, आवास विकास कालोनी एवं सरकुलर रोड होते हुए वापस महाविद्यालय पहुंची। यहां एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट अमित कुमार एवं एनएसएस प्रभारी जितेंद्र सिंह चौहान ने रैली की अगुवाई की।

कैडेट्स व स्वयं सेवकों ने नारे लगाए कि जन का यह नारा है, सड़क सुरक्षा के नियमों को अपनाना है, हेलमेट पहनना है जरूरी, तभी रहेगी सुरक्षा पूरी, वाहन धीमा चलाएं, अपना अमूल्य जीवन बचाएं।

जागरूकता रैली में महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डा. पुष्पारानी गंगवार, कुश कुमार, आरएल वर्मा, माया प्रकाश, आशुतोष शुक्ला, विकास वर्मा, आंचल शुक्ला, प्रतिमा तिवारी ने योगदान

शिक्षकों की नजर में बजट

सीएसएन कॉलेज के हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर व टैक्स के जानकार **दीपक राय** ने बजट को मिला जुला बताया। कहा कि अपेक्षाएं ज्यादा छूट की थी मगर सरकार ने चलों कुछ तो पहल की। टैक्स स्लैब में बदलाव से कुछ राहत मिलेगी। सभी अपेक्षाएं पूरी होना संभव नहीं है।

सीएसएन कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर **डा. गोविंद सिंह** ने बजट को मांग आधारित बताया। कहा कि उदारवादी रवैये के बीच सरकार ने मांग बढ़ाकर राजस्व बढ़ाने का प्रयास किया है। बजट समाज के सभी वर्गों के हित के लिए है।

आर्थिक विकास पर रहेगा जोर

सीएसएन महाविद्यालय के अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शिवेंद्र सिंह ने बताया कि यह बजट वर्तमान सरकार का आखिरी पूर्ण बजट है। इस बजट से लोगों को खास उम्मीद है। इस बजट में सरकार कई राहत भरी घोषणाएं कर सकती है। सरकार की प्राथमिकता में आर्थिक विकास प्रथम सोपान पर है। इसलिए सरकार निवेश और आधारभूत संरचना पर विशेष जोर देने का प्रयास करेगी। बजट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के विकास पर बल देने की संभावना है। ताकि विनिर्माण क्षेत्र का विकास एवं अत्यधिक रोजगार सृजित हो सके।

ता को आस, बजट से मिलेगा खास

'परिश्रम, त्याग व सेवा भाव से रोशन करें नाम'

समाज शास्त्र विभाग में स्वागत समारोह आयोजित

हरदोई(एसएनबी)। शहर के सीएसएन कालेज के सभागार में एमए तृतीय सेमेस्टर समाजशास्त्र विभाग के छात्र छात्राओं ने एमए प्रथम सेमेस्टर के छात्रछात्राओं के लिए स्वागत समारोह फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया। समारोह का शुभारम्भ कालेज के प्राचार्य प्रो. केके सिंह, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. विनय शील व विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. सरिता वर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया।

प्राचार्य प्रो. सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमें से छात्रछात्राओं में आपसी सहयोग, भाईचारा व भावनात्मक लगाव पैदा होता है जिससे उनमें मानवीय मूल्यों का विकास होता है। उन्होंने नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए यह आशा व्यक्त की कि भविष्य में विभाग के बच्चे अपने परिश्रम, त्याग व सेवा भाव से अपने परिवार व विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. वर्मा ने कहा कि आज के आधुनिक बाजारवादी समाज में बच्चों के अंदर से नैतिक मूल्यों व संस्कार का भाव विलुप्त होता जा रहा है। वर्तमान दौर की सबसे बड़ी आवश्यकता है कि हमें आधुनिक पीढ़ी के अंदर त्याग, प्रेम, सहकार व विश्व बंधुत्व की भावना को पैदा करना होगा, इसी से देश व समाज मजबूत होगा। समारोह का संचालन एमए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रूपाली शुक्ला व प्रांजलि द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सरस्वती वंदना कुमारी पलक व स्वागत गीत साधना ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में एमए तृतीय सेमेस्टर की अंशु पाल, सुहानी, संगम, चांदनी मिश्रा, रेनू, नीतू, शिल्पा, चांदनी वर्मा, शालिनी व एमए प्रथम सेमेस्टर की दिव्यांशी, प्रियांशी, पारुल, श्रद्धा, पलक, सुनहरी, प्रतिमा, तंजिला, सायमा, ज्योति, अंजली, पूजा, सोहिनी, निशंक, आशीष, अभय, नितेश व सुमित पाल ने गीत, गजल, हास्य, नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। यहां पर कालेज की मुख्य नियंता प्रोफेसर पुष्पा रानी गंगवार, हिंदी की विभागाध्यक्ष प्रो. साधना शुक्ला, डा. दीपक कुमार राय, अर्थशास्त्र के डा. शिवेंद्र सिंह, संस्कृत के डा. किशोरीलाल, डा. गोविंद सिंह, डा. अरुण मौर्या, डा. दीपक राय, डा. अंकित पाठक, डा. मणिपाल सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

एमए प्रथम सेमेस्टर के 25 परीक्षार्थी रहे गैरहाजिर

जासं हरदोई : सीएसएन महाविद्यालय में एमए की मिड टर्म व बीए की प्रजेंटेशन परीक्षा संपन्न हुई। एमए प्रथम सेमेस्टर की हिंदी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल, संस्कृत, अर्थशास्त्र सभी छह विषयों की मिड टर्म परीक्षाएं हुईं। 233 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 208 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। 25 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। बीए तृतीय सेमेस्टर के ग्यारह विषयों की प्रस्तुतिकरण परीक्षा हुई। तृतीय सेमेस्टर में कुल पंजीकृत 462 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 400 छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुतिकरण दिया एवं विषय का असाइनमेंट जमा किया।

लखनऊ
शनिवार
14 जनवरी 2023
02

शहर 30s

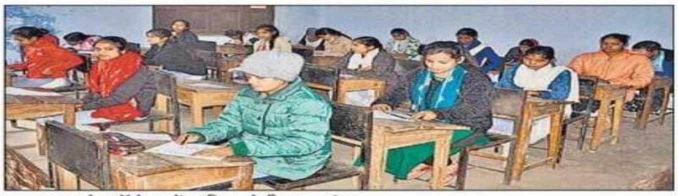

शुक्रवार को कॉलेज में परीक्षा देती छात्राएं।

मिड टर्म और प्रजेंटेशन की हुई परीक्षाएं

हरदोई। सीएसएन महाविद्यालय में परास्नातक की मिड टर्म व बीए की प्रजेंटेशन की परीक्षाएं हुई। शुक्रवार को परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की हिंदी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल, संस्कृत, अर्थशास्त्र सभी छह विषयों की मिड टर्म परीक्षा में पंजीकृत 233 विद्यार्थियों में 208 उपस्थित हुए 25 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। बीए तृतीय सेमेस्टर के निर्धारित 11 विषयों की प्रस्तुतिकरण परीक्षा हुई एवं असाइनमेंट जमा किए गए। तृतीय सेमेस्टर में कुल पंजीकृत 462 परीक्षार्थियों में 400 छात्र–छात्राओ ने अपना प्रस्तुतिकरण दिया।

1- स्वामी विवेकानंद जयंती पर जीआईसी इंटर कॉलेज में दौड़ प्रतियोगिता को झंडी दिखाते भाजपा जिलाध्यक्ष।

2- स्वामी विवेकानंद की जयंती पर बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित करते दिव्य प्रेम सेवा मिशन के लोग।

भारतीय आध्यात्मिक राष्ट्रवाद के प्रतिनिधि पुरुष थे विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर जिले भर में विचार गोष्ठियों व खेलकूद प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

हरदोई, अमृत विचार

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर जिले भर में विचार गोष्ठी व खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। युवाओं को स्वामी जी के विचारों की जानकारी देते हुए उनसे प्रेरणा लेने की अपील की गई। सीएसएन पीजी कॉलेज में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी की शुरुआत कॉलेज के प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र कुमार सिंह और कॉलेज की चीफ प्रॉक्टर प्रो. पुष्पा रानी गंगवार ने द्वीप प्रज्वलन और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके की।

प्राचार्य प्रो. केके सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद भारतीय आध्यात्मिक राष्ट्रवाद के प्रतिनिधि पुरुष थे। उन्होंने भारत के धर्म और दर्शन की वह झलक दुनिया के सामने प्रस्तुत की जो सर्वसमावेशी, वेदांत दर्शन पर आधारित थी, जिसका ध्येय दरिद्र नारायण की सेवा था। स्वामी विवेकानंद भारतीय राष्ट्रवाद को जमीनी स्तर पर ले जाने की कोशिश करते हैं, वे सभी जातियों के धर्मशास्त्रों के अध्ययन पर अधिकार को स्वीकार करते हैं। हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ दीपक कुमार राय ने कहा कि विवेकानंद ने कहा था कि सभी धर्मों का मूल मंत्र एक ही था वह है मानव धर्म। सभी मनुष्य समान हैं कि भावना विवेकानंद के विचारों का मूल था। इस अवसर पर डॉ. वीरपाल सिंह, डॉ. अजय कुमार शुक्ला, डॉ. मणिपाल सिंह, डॉ. जितेंद्र सिंह चौहान, डॉ. साधना शुक्ला, डॉ. कुश कुमार मिश्रा, डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. विनय शील, डॉ. सचिन सिंह, डॉ. गोविंद सिंह, डॉ. सरिता वर्मा, आर एल वर्मा, रागिनी सिंह, आशुतोष कुमार सिंह और मायाप्रकाश समेत सैकड़ों छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

इसी प्रकार अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद ने भी स्वामी जी की जयंती मनाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता शिव सेवक गुप्त जय शिव ने कहा कि स्वामी जी ने 1893 में अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म महासम्मेलन में 'उठो जागो और अपने मार्ग पर जब तक चलते रहो अपने लक्ष्य को जब तक लक्ष्य को प्राप्त न कर लो' का नारा दिया था। श्री गुप्त ने कहा वास्तव में स्वामी जी ने भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व को भारतीय संस्कृति परंपरा आध्यात्मिक चेतना की नई दिशा दिखलाई। आज भी स्वामी विवेकानंद जी के संपूर्ण विश्व में आध्यात्मिक विचार प्रासंगिक है।

सीएसएन पीजी कॉलेज में आयोजित विचार गोष्ठी में बोलते वक्ता। अमृत विचार

जन शिक्षा परिषद में आयोजित सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में सम्मानित छात्राएं।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर डायट में आयोजित छवि चित्रण प्रतियोगिता में अपने पोर्टेट दिखाती छात्राएं। अमृत विचार

डायट में राष्ट्रीय युवा दिवस हुई पोर्ट्रेट मेकिंग प्रतियोगिता

हरदोई, अमृत विचार। डायट में प्राचार्य राजेन्द्र सिंह बघेल की अध्यक्षता में 'राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाया गया। प्राचार्य ने बताया कि प्रतिवर्ष हम 12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हैं। साथ ही साथ स्वामी जी के व्यक्तित्व व उनके द्वारा दिए गए योगदानों पर चर्चा की तथा उसके महत्व को बताया। कला प्रवक्ता चतुर्भुज नारायण द्वारा डायट में 'पोर्ट्रेट मेकिंग प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के डीएलएड प्रशिक्षुओं ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। प्रवक्ता चतुर्भुज नारायण ने बताया कि कला के माध्यम से स्वामी विवेकानंद का पोर्ट्रेट (छवि चित्रण) बनाकर हम उन्हें याद करेंगे। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ तीन अच्छे चित्रों का चयन किया। जिसमें तनु गुप्ता प्रथम, आरती वर्मा द्वितीय तथा वंदना वर्मा व प्रियंका वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ प्रवक्ता योगेन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागी प्रशिक्षुओं द्वारा बनाये गए चित्रों का अवलोकन किया तथा उनकी सराहना करते हुए चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी। इस मौके पर डायट प्रवक्ता, पीताम्बर चौरसिया, उमेश चन्द, सौरभ कुमार, आनंद कुमार, आशा यादव, अनीता कुमारी उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद कार्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित

हरदोई, अमृत विचार। राष्ट्रीय युवा दिवस पर भारत विकास परिषद कार्यालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक कौशल किशोर, विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशोक सिंह रहे। सरस्वती शिशु मंदिर के प्रबंधक महेश माहेश्वरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा ने की। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी द्वारा प्राथमिक सम्बोधन किया गया। मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक कौशल किशोर ने युवाओं को सम्बोधित किया गया। इस मौके पर उपस्थित स्वीयसेवक सौरभ कुमार गुप्ता, इशिता गुप्ता, कुमकुम गौतम, आशुतोष व नगमा द्वारा विचार प्रस्तुत किए गए व स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात अशोक सिंह, जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे आदरणीय अश्विनी कुमार मिश्र द्वारा विचार रखे गए। तत्पश्चात अशोक सिंह, जिला युवा अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी द्वारा युवाओं को अपने विचार रखने के लिए पुरस्कृत किया गया।

युवा दिवस के पर सूर्य नमस्कार का किया गया आयोजन

हरदोई। जन शिक्षा परिषद के तत्वावधान में गुरुवार को युवा दिवस के अवसर पर सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। परिषद के जिला मन्त्री डा. शीर्षेन्दु शील 'विपिन' ने बताया कि जन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित सरस्वती शिशु व विद्या मन्दिर विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 2340 बालक, 987 बालिकाएं 248 आचार्य, 649 अभिभावक ने सूर्य नमस्कार किया। सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान अल्लीपुर द्वारा संचालित डॉ राममनोहर लोहिया महाविद्यालय में युवा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया। आए हुए सभी अतिथियों का बैच लगाकर व माला पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत गीत पूर्णिमा, युक्ता, शिवानी मौनी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। डॉ एसके पाण्डेय द्वारा संस्थान के द्वारा संचालित अनेक योजनाओं परियोजनाओं की जानकारी दी गई। जिसके द्वारा समाज लाभान्वित हो रहा है व संस्थान ख्याति प्राप्त करके निरंतर ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रणवीर सिंह ने कहा की प्राचीन संदेश के आधुनिक प्रवाह भारत के महान सपूत एवं युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद का स्मरण हम सभी कर रहे हैं। स्वामी विवेकानंद हमारे समाज के युवा प्रेरणा स्रोत हैं। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद के विचारों की आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिकता नामक विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बी.एड., बीए, बीएससी बीकॉम एमए, एमएससी के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें से निर्णायक समिति द्वारा प्रथम वर्ग में प्रथम दुर्गेश, द्वितीय श्वेता तृतीय आशुतोष तथा द्वितीय वर्ग पूर्णिमा प्रथम, युक्ता द्वितीय, शुभी सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले में विद्या भारती जन शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर के समस्त प्रधानाचार्य, डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय बाबूराम त्रिवेदी सरस्वती शिशु मंदिर अल्लीपुर के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं रहे।

हरदोई के 'मालवीय' कहे जाने वाले मोहन लाल वर्मा की मनाई गई जयंती

कालेज के प्राचार्य ने कहा बहुआयामी था उनका व्यक्तित्व

मोहम्मद खालिद/ ब्यूरोचीफ

हरदोई (दबंग इंडिया न्यूज़) । सीएसएन पीजी कालेज के संस्थापक व प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. बाबू मोहन लाल वर्मा की पुण्यतिथि महाविद्यालय परिसर में मनाई गई। सबसे पहले वहां स्थापित उनकी प्रतिमा पर कालेज के प्राचार्य प्रोफ़ेसर केके सिंह, सेवानिवृत्त प्रोफेसर अखिलेश चंद्र बाजपेई, बाबूजी के प्रपौत्र प्रभात वर्मा, एडवोकेट सुरेश वर्मा, एडवोकेट राम प्रताप यादव, रामकिशन वर्मा, अतुल मिश्रा, प्रोफेसर पुष्पा रानी गंगवार, प्रोफेसर साधना शुक्ला आदि ने माल्यार्पण कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस दौरान आयोजित स्मरण गोष्ठी का आयोजन किया गया, कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर के के सिंह ने बाबू मोहन लाल वर्मा को बहुआयामी व्यक्तित्व का धनी बताया, उन्होंने कहा कि बाबूजी ने आजादी की लड़ाई में ब्रिटानिया हुकूमत के खिलाफ ज़ोर शोर से अपनी आवाज़ उठाई व देश को आज़ाद कराने के साथ ही उन्होंने हरदोई जैसे पिछड़े ज़िले में अनेक शैक्षिक व सामाजिक संस्थाओं को खोलकर जनपद के बहुमुखी विकास व उन्नति में अपना योगदान दिया। प्रो. अखिलेश बाजपेई ने कहा कि बाबूजी हरदोई के मालवीय थे, उन्होंने ज़िले के शैक्षणिक उत्थान के लिए सीएसएन पीजी कालेज व अनेक शैक्षिक संस्थानों की स्थापना की। बाबूजी के प्रपौत्र व जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रभात वर्मा ने कहा कि बाबूजी सादगी, ईमानदारी, त्याग व समर्पण के प्रतिमान थे। उनके विचारों को अंगीकार करना व उनके बताए हुए रास्ते पर चलना ही आज के पुण्य दिवस पर उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर डा. जेएस चौहान, डा. अरुण कुमार मौर्या, डॉ दीपक राय, राकेश सिंह, डॉ शिवेंद्र सिंह, डा. अंकित पाठक, कुश कुमार, मणिपाल सिंह, श्रवण गुप्ता, मिथिलेश सिंह, गोविंद सिंह, सचिन सिंह, डा. किशोरीलाल, आरएल वर्मा, रागिनी सिंह, आशुतोष सिंह, विवेक व अरविंद सिंह आदि मौजूद रहे।

परीक्षा देने में छूट रहा पसीना

संवाद न्यूज एजेंसी

हरदोई। सीएसएन महाविद्यालय में मंगलवार को एमए तृतीय सेमेस्टर की हिंदी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल, संस्कृत, अर्थशास्त्र विषयों की लिखित परीक्षाएं हुईं। वहीं बीए प्रथम सेमेस्टर के 11 विषयों की मौखिक परीक्षाएं हुईं। कई विषयों की लिखित व मौखिक परीक्षा में सर्दी में विद्यार्थियों को पसीने छूटे।

महाविद्यालय में तीन दिन से एमए तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं चल रही थी। मंगलवार को अंतिम दिन छह विषयों की लिखित परीक्षा हुई। वहीं बीए प्रथम सेमेस्टर के 11 विषयों की मौखिक परीक्षा में पंजीकृत 660 परीक्षार्थियों में 560 शामिल हुए। छात्र-छात्राओं ने प्रोफेसरों के सवालों के जवाब दिए और संबंधित विषय का असाइनमेंट जमा किया।

सीएसएन डिग्री कॉलेज में परीक्षा देते परीक्षार्थी। संवाद

परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की मध्यावधि परीक्षाएं बुधवार से शुरू होंगी। इसमें हिंदी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल, संस्कृत, अर्थशास्त्र के विद्यार्थी शामिल होंगे।

DEPARTMENT OF TOURISM
GOVERNMENT OF UTTAR PRADESH

बाबू मोहन लाल वर्मा का व्यक्तित्व बहुआयामी : प्रो. सिंह

हरदोई : स्व. बाबू मोहन लाल वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते प्राचार्य डा. केके सिंह।

हरदोई (एसएनबी)। सोमवार को सीएसएन पीजी कालेज के संस्थापक व प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. बाबू मोहन लाल वर्मा की पुण्यतिथि महाविद्यालय परिसर में मनायी गयी। सर्वप्रथम परिसर में स्थापित बाबू मोहन लाल वर्मा की प्रतिमा पर प्राचार्य प्रो. केके सिंह, सेवानिवृत्त प्रो. अखिलेश चंद्र बाजपेई, बाबूजी के प्रपौत्र प्रभात वर्मा, एडवोकेट सुरेश वर्मा, राम प्रताप यादव, रामकिशन वर्मा, अतुल मिश्रा, प्रो. पुष्पारानी गंगवार, प्रो. साधना शुक्ला आदि ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

प्राचार्य प्रो. सिंह ने बाबूजी को बहुआयामी व्यक्तित्व का धनी बताया। उन्होंने कहा कि बाबूजी ने आजादी की लड़ाई में ब्रिटानिया हुकूमत के खिलाफ जोर शोर से अपनी आवाज उठाई व देश को आजाद कराने के साथ ही उन्होंने हरदोई जैसे पिछड़े जिले में अनेक शैक्षिक व सामाजिक संस्थाओं को खोलकर जिले के बहुमुखी विकास व उन्नति में अपना योगदान दिया। प्रो. बाजपेई ने कहा कि बाबूजी जिले के मालवीय थे। उन्होंने जिले के शैक्षणिक उत्थान के लिए सीएसएन पीजी कालेज व अनेक शैक्षिक संस्थानों की स्थापना की। बाबूजी के प्रपौत्र व जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री वर्मा ने कहा कि बाबूजी सादगी, ईमानदारी, त्याग व समर्पण के प्रतिमान थे। उनके विचारों को अंगीकार करना व उनके बताए हुए रास्ते पर चलना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर डा. जेएस चौहान, डा. अरुण कुमार मौर्या, डा. दीपक राय, राकेश सिंह, डा. शिवेंद्र सिंह, डा. अंकित पाठक, कुश कुमार, मणिपाल सिंह, श्रवण गुप्ता, मिथिलेश सिंह, गोविंद सिंह, सचिन सिंह, डा. किशोरीलाल, आरएल वर्मा, रागिनी सिंह, आशुतोष सिंह, विवेक, अरविंद सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सीएसएन में होगी बीबीए–बीकाम की पढ़ाई

जागरण संवाददाता, हरदोई : जिले के छात्र–छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। अब छात्र–छात्राओं को बीबीए (बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) की पढ़ाई के लिए गैर जनपद नहीं जाना होगा। शहर के सीएसएन पीजी कालेज में आगामी शैक्षिक सत्र से बीबीए के अलावा बीकाम (बैचलर आफ कामर्स) की पढ़ाई शुरू होगी। ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसी अर्द्धसरकारी महाविद्यालय में बीबीए की शिक्षा दी जाएगी।

जिले में सरकारी विद्यालयों में महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (जीडीसी) हरदोई व पिहानी एवं सीएसएन पीजी कालेज हरदोई शामिल है, जबकि 160 से अधिक निजी महाविद्यालय संचालित हैं। इसके अलावा राजकीय कृषि महाविद्यालय बिलग्राम चुंगी पर बनकर तैयार है, लेकिन अभी तक कक्षाएं संचालित नहीं हो पाई है। जीडीसी हरदोई में बीएससी, बीकाम, एमकाम, जीडीसी पिहानी में बीएससी, बीए सीएसएन पीजी कालेज में बीए व एमए की कक्षाएं संचालित है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रत्येक महाविद्यालय में दो संकाय होना अनिवार्य किया गया है, इसके चलते सीएसएन पीजी

सीएसएन पीजी कालेज ● जागरण

कालेज में बीबीए व बीकाम की कक्षाएं पहली बार संचालित होगी। प्राचार्य कौशलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में बीए और एमए में 2,740 सीटों के सापेक्ष 2,360 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। आगामी शैक्षिक सत्र से बीबीए और बीकाम की कक्षाएं संचालित करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव की मंजूरी के बाद इसी शैक्षिक सत्र से दोनों संकायों की कक्षाओं में छात्र–छात्राओं के प्रवेश व कक्षाओं के संचालन की उम्मीद है। बताया कि उनकी प्राथमिकता छात्र–छात्राओं को उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा दिया जाना है।

भारतीय आध्यात्मिक राष्ट्रवाद के प्रतिनिधि पुरुष थे विवेकानंद : प्राचार्य

मोहम्मद खालिद/ ब्यूरोचीफ

हरदोई (दबंग इंडिया न्यूज़)। सीएसएन पीजी कॉलेज में गुरुवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी की शुरूआत कॉलेज के प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र कुमार सिंह और कॉलेज की चीफ प्रॉक्टर प्रो. पुष्पा रानी गंगवार ने द्वीप प्रज्वलन और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके की। प्राचार्य प्रो. केके सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद भारतीय आध्यात्मिक राष्ट्रवाद के प्रतिनिधि पुरुष थे। उन्होंने भारत के धर्म और दर्शन की वह झलक दुनिया के सामने प्रस्तुत की जो सर्वसमावेशी, वेदांत दर्शन पर आधारित थी, जिसका ध्येय दरिद्र नारायण की सेवा था। स्वामी विवेकानंद भारतीय राष्ट्रवाद को जमीनी स्तर पर ले जाने की कोशिश करते हैं, वे सभी जातियों के धर्मशास्त्रों के अध्ययन पर अधिकार को स्वीकार करते हैं।

हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ दीपक कुमार राय ने कहा कि विवेकानंद ने कहा था कि सभी धर्मों का मूल मंत्र एक ही था वह है मानव धर्म। सभी मनुष्य समान हैं कि भावना विवेकानंद के विचारों का मूल था। गोष्ठी में राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अंकित पाठक ने कहा कि विवेकानंद ने उपनिवेशवाद के दौरान यूरोप समेत पूरी पश्चिमी दुनिया को भारतीय धर्म दर्शन की गहराई से रूबरू कराया था, उन्होंने उस पश्चिमी जगत को भाइयों एवं बहनों से संबोधित किया था जो पूरी दुनिया को असभ्य मानती थी। स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में पश्चिमी दुनिया को वह आईना दिखाया था जिसमें इंग्लैंड और अमेरिकियों को अपनी धार्मिक एकरूपीकरण की नीति पर अपराधबोध हुआ। विचार गोष्ठी के संयोजक अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवेंद्र सिंह ने कहा कि विवेकानंद युवाओं के सबसे बड़े प्रेरणास्रोत हैं। वर्तमान में युवाओं को विवेकानंद के नारे %उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक न रुको% से प्रेरणा लेने की जरूरत है। युवा अध्ययन के जरिए वह सब कुछ हासिल कर सकते हैं, जो उन्हें तो ऊंचाई पर ले ही जाएगा बल्कि देश को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगा। देश युवाओं के बल पर ही विकास की राह पर चलकर विकसित देशों से कदमताल कर सकता है। विचार में गोष्ठी में कॉलेज के दर्जनों छात्र - छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. वीरपाल सिंह, डॉ. अजय कुमार शुक्ला, डॉ. मणिपाल सिंह, डॉ. जितेंद्र सिंह चौहान, डॉ. साधना शुक्ला, डॉ. कुश कुमार मिश्रा, डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. विनय शील, डॉ. सचिन सिंह, डॉ. गोविंद सिंह, डॉ. सरिता वर्मा, आर एल वर्मा, रागिनी सिंह, आशुतोष कुमार सिंह और मायप्रकाश समेत सैकड़ों छात्र - छात्राएं भी उपस्थित रहे।

::: समाप्त ::